राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 177 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 21 अप्रैल 2025 www.samaydarshan.in

महर्षि दयानंद के जीवन-मूल्यों और विचारों को आत्मसात करने से शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक उन्नति का संकल्प होगा पूरा : राज्यपाल आचार्य देवव्रत

संस्कृति की रक्षा और जनकल्याण में आर्य समाज की भूमिका अनुकरणीय : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्यपाल आचार्य देवव्रत महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर धर्मरक्षा महायज्ञ में हुए शामिल

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत आज राजधानी रायपुर के डीडीयू ऑडिटोरियम में महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती और आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के शुभ अवसर पर आयोजित धर्मरक्षा महायज्ञ एवं वैदिक सनातन संस्कृति सम्मेलन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान धर्मरक्षा यज्ञ में हवन-पूजन कर प्रदेश कल्याण की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय और राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने छत्तीसगढ़ प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा तैयार पुस्तिका चुनौतियों का चिंतन का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभा को संबोधित करते हुए महर्षि दयानंद सरस्वती का पुण्यस्मरण किया। उन्होंने कहा कि आर्य समाज को मानव कल्याण का कार्य करते हुए आज 150 वर्ष पूरे हो गए हैं। आर्य समाज के द्वारा निरंतर देश सेवा, धर्म-संस्कृति की रक्षा तथा जनजागरण का कार्य किया जा रहा है। श्री साय ने बताया कि वे महर्षि दयानंद के विचारों से प्रभावित होकर वर्ष 1999 से आर्य समाज से जुड़े हुए हैं और विभिन्न अवसरों पर समाज के मनीषियों का मार्गदर्शन उन्हें प्राप्त होता रहा है। आर्य समाज महर्षि दयानंद के विचारों को आगे बढ़ाते हुए संस्कार और शिक्षा का पुनीत कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जी प्राकृतिक खेती और देशी नस्ल की गायों के उपयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दे रहे हैं। प्रदेश सरकार निश्चित रूप से इस दिशा में अपने प्रयासों को और अधिक गति देगी। श्री साय ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में हमारी सरकार ने मोदी की गारंटियों को पूरा करने का कार्य किया है।

गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए हमने पहले ही कैबिनेट में 18 लाख आवास की स्वीकृति दी थी और अब आवास प्लस-प्लस का सर्वेक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही भूमिहीन मजदूरों को सालाना 10 हजार रुपये, माताओं-बहनों को प्रति माह एक हजार रुपये, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना और रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेशवासियों के तीर्थदर्शन के पुण्य संकल्प को भी पूरा किया जा रहा है। इस अवसर पर योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल, स्वामी धर्मानंद सरस्वती जी महाराज, सुरेश, कैप्टन रुद्रसेन, विनय आर्य, डॉ. राजेंद्र विद्या अलंकार, प्रबल प्रताप जूदेव, आर्य समाज के रामकुमार पटेल सहित आर्यवीर और आर्य समाज के अनुयायी उपस्थित थे।

जैविक खेती के माध्यम से हम स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं-राज्यपाल आचार्य देवव्रत

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने महर्षि दयानंद सरस्वती को नमन करते हुए कहा कि उनके जीवन-मूल्यों और विचारों को आत्मसात करने से शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक उन्नति का संकल्प पूरा होगा। उन्होंने महर्षि दयानंद की संपूर्ण जीवन-यात्रा और उद्देश्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक कृषि और देशी गौवंश की रक्षा एवं उनका संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर यदि हम गौपालन को लाभकारी बनाएंगे, तो समाज में उसकी रक्षा हेतु स्वाभाविक चेतना विकसित होगी। इससे सड़कों पर पशुओं के विचरण की समस्या स्वतः समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जैविक खेती के माध्यम से हम स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं।

हाईकोर्ट के आदेश को दरकिनार कर परिवहन विभाग में प्रतिनियुक्ति का खेल

संघ का विरोध भी दरकिनार, डिप्टी कलेक्टर लॉबी हावी, अब सीएम को गुमराह कर नए डेपुटेशन की तैयारी

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में परिवहन विभाग में विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों का हक मारने का खेल लंबे समय से चल रहा है। इसमें राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की लॉबी हावी है। इसके कारण विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के विरोध को भी लंबे समय से नजर अंदाज किया जा रहा है। बता दें कि इस मामले को लेकर विभागीय कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की थी, जिसके बाद हाईकोर्ट ने आरटीओ/एआरटीओ के पद पर प्रतिनियुक्ति पर रोक भी लगा दी थी। लेकिन फिलहाल कुछ डिप्टी कलेक्टर रैंक के अधिका?ारी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को भ्रामक जानकारी देकर गुमराह कर फिर से प्रतिनियुक्ति की तैयारी में हैं।

इसमें डिप्टी कलेक्टर से लेकर अन्य ग्रेड के प्रशासनिक अधिकारियों को परिवहन विभाग में पदस्थ किए जाने की तैयारी की खबर है। सूत्र बताते है कि ऐसे अधिकारियों से मोटी रकम को लेकर बोली भी लग चुकी है और उन्हें प्रतिनियुक्ति में पदस्थापना का आश्वासन भी दे दिया गया है। मंत्रालय में ऐसे अफसरों की सूची तैयार है। खबर है कि अगले जल्द ही मुख्यमंत्री को गलत जानकारी देकर इन अफसरों को पदस्थ कर दिया जाएगा। इस प्रकार हाईकोर्ट के आदेश और विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों संघ की नाराजगी को दरकिनार कर प्रतिनियुक्ति किए जाने की तैयारी की जा रही है। गौरतलब है कि परिवहन विभाग में नियम विरुद्ध प्रतिनियुक्ति पर रोक लगाने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग कार्यपालिक अधिकारी संघ ने बीते वर्ष मुख्यमंत्री को पत्र भी सौंपा है। पत्र में बताया गया कि छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग में लंबे समय से विभिन्न पदों पर अन्य विभागों से प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों को लाया जा रहा है, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव एवं विभागीय अधिकारियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। चूंकि परिवहन विभाग को 1989 से ही केंद्र सरकार द्वारा तकनीकी विभाग बनाया गया है, जिसके अनुसार तकनीकी अर्हता रखने वाले अधिकारियों की ही विभाग में भर्ती किए जाने का प्रावधान है। पूर्व में विभाग में भर्ती नियम नहीं होने के कारण भर्तियां नहीं हुई, जिसके चलते राज्य शासन द्वारा प्रतिनियुक्तियों के माध्यम से अधिकारियों को लाया जाता था, परंतु वर्तमान में विभाग के अनुकूल भर्ती नियम बना लिए गए हैं। संघ ने बताया कि भर्ती नियम के अनुसार विभाग में लगातार तकनीकी अधिकारियों की भर्ती की जा रही है तथा विभाग में अब पर्याप्त अधिकारी हो गए हैं एवं अन्य विभागों से प्रतिनियुक्ति की आवश्यकता नहीं है।

निशिकांत दुबे के बयान पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज ने दी नसीहत, बोले- संविधान सर्वोच्च, कोई कानून से ऊपर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर देश में एक नई संवैधानिक बहस छिड़ गई है. सुप्रीम कोर्ट में इस कानून की वैधता को चुनौती दी गई है और इस पर सुनवाई के दौरान बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को लेकर विवादित बयान दे डाला. दुबे ने कहा कि देश में धार्मिक गृहयुद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है.

इस पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अशोक कुमार गांगुली ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है. संविधान की मूल भावना की रक्षा करना सुप्रीम कोर्ट का दायित्व है. सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज ने कहा, हमारा देश धर्मनिरपेक्ष है. संविधान की मूल भावना की रक्षा करना सुप्रीम कोर्ट का काम है, इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने वक्फएक्ट को लेकर सरकार के सामने कुछ सवाल रखे हैं. इसके बाद सरकार बैकफुट पर आ गई और उसने कहा कि वह एक्ट की कुछ धाराओं को लागू नहीं करेगी. संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार राष्ट्रपति को संविधान के अनुसार काम करना चाहिए, अगर ऐसा नहीं है तो सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को निर्देश दे सकता है. इसमें कुछ भी गलत नहीं है. इससे लोकतंत्र मजबूत होता है. यह दुर्भाग्यपूर्ण है. उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को यह समझने की जरूरत है कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है. बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि अगर अदालत ही कानून बनाएगी, तो संसद को बंद कर देना चाहिए. उन्होंने कहा, ÷भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना इस देश में हो रहे सभी गृहयुद्धों के लिए जिम्मेदार हैं.÷ उन्होंने आर्टिकल 141 और अनुच्छेद 368 का हवाला देते हुए तर्क दिया कि अनुच्छेद 368 संसद को कानून बनाने का अधिकार देता है.

कृषि, कौशल उन्नयन, पर्यटन और उद्योग के क्षेत्र में संतुलित विकास के साथ

विकसित बस्तर की ओर

नक्सल हिंसा के चलते लंबे समय से विकास से अछूते रहे बस्तर क्षेत्र में अब सुनियोजित रणनीति के साथ समस्या के उन्मूलन पर काम हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार एक तरफ नक्सलवाद के खिलाफ ठोस रणनीति बनाकर एक निश्चित समय अवधि तक इसके संपूर्ण उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर बस्तर में समावेशी विकास के लिए एक विस्तृत रोड मैप पर कार्य चल रहा है। कृषि, पर्यटन, उद्योग और कौशल उन्नयन पर यहां सरकार का विशेष फोकस है। बस्तर में उपलब्ध संसाधनों और वहां की भौगोलिक, सामाजिक स्थितियों के आधार पर विकास का एक प्रारूप तैयार किया गया है, जिसके आधार पर विकसित बस्तर की बुनियाद रखी जा रही है।

पर्यटन: सांस्कृतिक पहचान से समृद्धि की ओर

बस्तर दशहरा की अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान है, जिसे अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाने की योजना बनाई गई है। यह न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को वैश्विक पहचान दिलाएगा। बस्तर पर्यटन सर्किट को विकसित करने, तीरथगढ़ जलप्रपात पर पारदर्शी पुल बनाने और स्थानीय युवाओं को पर्यटक गाइड के रूप में प्रशिक्षित करने की योजनाएं रोजगार, निवेश और सांस्कृतिक जागरूकता के तीनों पहलुओं को साधती हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार द्वारा बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे, कैंपिंग और ईको पर्यटन की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। बस्तर जिले में कोसारटेडा सिंचाई जलाशय को अब ईको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे यहाँ के महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पहले साल के कार्यकाल में बस्तर के नक्सल प्रभावित इलाकों में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। नक्सलियों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाकर, इस साल सबसे ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया गया है। अब सरकार का लक्ष्य बस्तर को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है। चित्रकोट वाटर फॉल को नियाग्रा फॉल्स जैसा खूबसूरत बताते हुए, साय ने इसे राज्य की एक बड़ी संपत्ति बनाने का वादा किया है। साथ ही, बस्तर में शांति वार्ता की पेशकश भी की गई है। नक्सलियों के पुनर्वास के लिए नई नीति के तहत, आत्मसमर्पित नक्सलियों और हिंसा के पीड़ितों को 15,000 घर दिए जाएंगे, कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और 10,000 रुपए प्रति माह का वजीफा दिया जाएगा। बस्तर के धुड़मारास गांव को UNWTO की तरफ से सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के रूप में मान्यता मिलना इस बात का प्रमाण है।

कौशल उन्नयन: बस्तर के युवाओं को मिलेगा नया भविष्य

बस्तर के युवाओं को अब तक या तो शहरी पलायन का विकल्प मिलता था या नक्सल संगठनों की ओर से बहकाने वाले रास्ते। "विकसित बस्तर" परिस्थिति को जड़ से बदलने का प्रयास है। इसमें 90 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और 40 हजार युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। इस रणनीति का विशेष आकर्षण "आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए पुनर्वास नीति 2025" है, जिसमें रोजगार, प्रशिक्षण और पुनर्वास की ठोस व्यवस्था है। यह केवल कानून-व्यवस्था का समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता की ओर उठाया गया बड़ा कदम है। 32 नए कौशल विकास केंद्रों की स्थापना से यह प्रयास ज़मीन पर आकार लेता दिख रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नक्सल प्रभावित बस्तर के कांकेर और कोंडागांव जिलों में स्कूली बच्चों के लिए एक महत्वपूर्णयोजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत, बच्चों को रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की शिक्षा दी जाएगी। यह पहल आदिवासी बच्चों के कौशल विकास को ध्यान में रखते हुए की गई है।

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री के समक्ष रखा बस्तर विकास का रोड मैप

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पिछले दिनों दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य के विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बस्तर के विकास के लिए तैयार किए गए मास्टर प्लान का खाका भी प्रधानमंत्री को सौंपा। छह प्रमुख एजेंडों और 19 बिंदुओं पर आधारित इस योजनाओं की श्रृंखला में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाओं, उद्योगों और पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने का मसौदा तैयार किया गया है। बस्तर को एक नए औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करना, बांस, लघु वनोपज और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के प्रसंस्करण हेतु उद्योग स्थापना, शिक्षा और कौशल विकास के लिए आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों की संख्या में वृद्धि, युवाओं को तकनीकी शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण देना, पर्यटन और सांस्कृतिक विकास के लिए विभिन्न कार्यों सहित नई उद्योग नीति के साथ बस्तर में संतुलित औद्योगिक विकास का रास्ता बनाना और नई नक्सली आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति के तहत किए जाने वाले कार्य शामिल हैं।

> "बस्तर अब शांति की ओर बढ़ चुका है, अब सरकार का लक्ष्य लोगों को सम्मानजनक आजीविका देना है। सरकार न केवल कौशल विकास पर ध्यान देगी, बल्कि स्थानीय लोगों को स्थानीय संसाधनों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कार्य करेगी। इससे बस्तर का युवा न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि पूरे देश और दुनिया में अपने हुनर की पहचान बना सकेगा।
>
> **श्री विष्णु देव साय**
> मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सामाजिक-आर्थिक बदलाव की शुरुआत

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में एक ओर प्रकृति की विराटता है, तो दूसरी ओर विकास की विफलताओं की लंबी छाया। दशकों से यह इलाका नक्सलवाद, बेरोजगारी, पलायन और उपेक्षा की जटिलताओं में उलझा रहा, लेकिन अब यह बदलाव की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अगुवाई में राज्य सरकार ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए योजनाओं की श्रृंखला "विकसित बस्तर की ओर", शुरू की है, जो बस्तर के समावेशी विकास, सामाजिक पुनर्निर्माण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक ठोस रूपरेखा प्रदान करती है। यह केवल योजनाओं की श्रृंखला नहीं, बल्कि राज्य की उस नई सोच की झलक है, जो विकास को सुरक्षा के साथ, संस्कृति के साथ और मानवीय गरिमा के साथ जोड़ना चाहती है।

कृषि: स्थानीयता और नवाचार का संतुलन

बस्तर की अर्थव्यवस्था का मूल आधार आज भी कृषि और वनों पर आधारित जीवनशैली है। "विकसित बस्तर" तहत किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर विशेष ज़ोर है। मोटे अनाज जैसे कोदो, कुटकी और रागी को बढ़ावा देना 'मिलेट मिशन' का हिस्सा है, जो पोषण और आय दोनों में वृद्धि कर सकता है। इसके अलावा, कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए हर ब्लॉक स्तर पर कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। यह कदम छोटे किसानों को आधुनिक संसाधनों से जोड़ने में मदद करेगा।

उद्योग: स्थानीय उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

"विकसित बस्तर" स्थानीय युवाओं, महिला उद्यमियों और आत्मसमर्पित नक्सलियों को उद्यमिता की धारा से जोड़ने का प्रयास किया गया है। नई उद्योग नीति में इस क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जैसे इस्पात उद्योगों को 15 वर्षों तक रॉयल्टी की प्रतिपूर्ति और आत्मसमर्पित नक्सलियों को नौकरी देने वाले संस्थानों को 5 वर्षों तक उनके वेतन का 40% सब्सिडी देना। यह कदम न केवल बस्तर की सामाजिक संरचना को सुदृढ़ करेगा, बल्कि निजी क्षेत्र को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देगा।

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।

तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है। अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे-

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी (3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान (5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ - त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है।

छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अतः जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण से पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते है कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते है, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट दी गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हद तक घट गया।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पार्टर्स मांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है।

विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हड्डियां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

संक्षिप्त समाचार

बाबा वेंगा की सबसे खतरनाक भविष्यवाणी आई सामने, जिसने उड़ा दिए वैज्ञानिकों के भी होश!

बुल्गारिया, एजेंसी। बुल्गारिया की मशहूर भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की एक और हैरान कर देने वाली भविष्यवाणी ने दुनियाभर के वैज्ञानिकों को सोच में डाल दिया है। बाबा वेंगा ने दावा किया है कि आने वाले समय में सूरज अपनी गर्मी खो देगा और बर्फ का गोला बन जाएगा। उनका कहना है कि साल 2201 में धरती पर ऐसी ठंड पड़ेगी, जो इंसानी जीवन को ही खतरे में डाल देगी। जहां एक ओर विज्ञान कहता है कि सूरज के ठंडा होने में करोड़ों साल लगेंगे, वहीं बाबा वेंगा की ये चेतावनी अब चर्चा का सबसे बड़ा विषय बन गई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि सूर्य का जीवन लगभग 10 अरब वर्षों का होता है। अभी तक सूर्य 4.6 अरब साल का हो चुका है, यानी अभी उसमें 5.4 अरब साल का जीवन शेष है।

दक्षिणी इटली में केबल कार दुर्घटना में 4 लोगों की मौत

रोम, एजेंसी। नेपल्स के दक्षिण में पर्यटकों को ले जा रही एक केबल कार गुरुवार को केबल टूटने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। ये हादसा कैस्टेलमारे डि स्टेबिया शहर के मोंटे फेटो में हुआ। फिलहाल इटली का अल्पाइन बचाव दल रेस्क्यू ऑफरेशन चला रहा है।

पाक सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में चार आतंकवादियों को मार गिराया

क्वेटा, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया जानकारी के आधार पर एक अभियान में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने चार आतंकवादियों को मार गिराया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ने गुरुवार को इसे लेकर एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की कथित मौजूदगी पर डेरा इस्माइल खान जिले के मद्दी के सामान्य क्षेत्र में खुफिया जानकारी के आधार पर एक अभियान चलाया। इस दौरान मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया।

अमेरिका में विमान के इंजन में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में साउथवेस्ट एयरलाइंस की फ्लाइट के इंजन में बृहस्पतिवार को आग लग गई। फ्लाइट ने मैक्सिको के कैबो सैने लुकास के लिए हॉबी एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी, लेकिन आग के कारण फ्लाइट को करीब 11.15 बजे ह्यूस्टन एयरपोर्ट पर वापस लौटना पड़ा। ह्यूस्टन फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, जब विमान उतरा, तो फायर फाइटर्स ने तुरंग आग बुझाई। साथ ही रनवे के पास घास में लगी छोटी सी आग को भी बुझाया। हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। विमान में 134 यात्री सवार थे, जिन्हें क्रू ने बाहर निकालने में मदद की।

अमेरिका की फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी में छात्र ने की फायरिंग, 2 की मौत, 5 घायल

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका की फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी में गुरुवार को एक छात्र द्वारा की गई गोलीबारी में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य घायल हो गए। आरोपी 20 साल का फीनिक्स इक्नर, स्थानीय शेरिफ विभाग की डिप्टी का बेटा है और उसने अपनी मां के पुराने सर्विस हथियार से हमला किया। घटना के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। घटना के दौरान विश्वविद्यालय को लॉकडाउन कर दिया गया और छात्रों को शेल्टर में रहने का निर्देश दिया गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने मेलोनी से की मुलाकात, बोले- आपके जैसा दुनिया में कोई नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से व्हाइट हाउस में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने आपसी संबंध, व्यापार और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक के दौरान ट्रंप ने साफ किया कि यूरोपीय संघ पर लगे टैरिफ को हटाने की कोई जल्दबाज़ी नहीं है। उन्होंने कहा कि फिलहाल अमेरिकी हितों को देखते हुए टैरिफ को बनाए रखना ज़रूरी है। ट्रंप ने यूरोपीय संघ के निर्यात पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसे फिलहाल 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया है।

ट्रंप ने इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा- आपके जैसा दुनिया में कोई नहीं है। वह इटली में शानदार काम कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह मेलोनी को शुरुआत से जानते हैं और हमेशा मानते थे कि उनमें विशेष नेतृत्व की क्षमता है।

मेलोनी ने बताया कि ट्रंप ने भविष्य में रोम आने का न्योता स्वीकार कर लिया है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ट्रंप यूरोपीय नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। मेलोनी ने खुद को एकमात्र

यूरोपीय नेता बताया जो ट्रंप से मिलने पहुंची हैं। उन्होंने ट्रंप के साथ अपनी रूढ़िवादी विचारधारा की समानता की बात कही और कहा कि वे भी चाहती हैं कि पश्चिमी देशों को फिर से महान बनाया जाए।

मेलोनी और ट्रंप के बीच यह मुलाकात ओवल ऑफिस और लंच मीटिंग के दौरान हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने मित्रता और साझा मुद्दों पर खुलकर चर्चा की।

इटली की पीएम पर ट्रम्प का आया दिल, कहा - वो मुझे बहुत पसंद हैं, बोल दी ये बड़ी बात:

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की खुलकर तारीफ की है। ट्रम्प ने कहा, मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं। मेलोनी ट्रम्प से मुलाकात करने वाली पहली यूरोपीय नेता बन गई हैं, जो टैरिफ जैसे अहम मुद्दों पर बातचीत के लिए पहुंचीं। हाल ही में अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच व्यापार शुल्क को लेकर तनाव बढ़ गया है। ट्रम्प के टैरिफ नीति की वजह से कई देशों ने प्रतिक्रिया दी है, लेकिन इस बीच मेलोनी ने पहल करते हुए ट्रम्प से सीधी बातचीत की। इस मुलाकात ने अमेरिका-इटली संबंधों में नई गर्मजोशी भर दी है।

ट्रम्प ने न सिर्फ मेलोनी के राजनीतिक नजरिए की तारीफ की, बल्कि उनके नेतृत्व की शैली को भी मजबूत और प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि मेलोनी की सोच और बातचीत का तरीका काफी प्रभावशाली है।

दुनिया का सबसे महंगा इंस्तांबुल एयरपोर्ट, यहां 500 रुपए में मिलेगा एक केला

इंस्तांबुल , एजेंसी।
दुनिया भर में घूमते लोगों के एक साझा अनुमान के मुताबिक एयरपोर्ट पर मिलने वाला सामान सबसे महंगा होता है। यहां पर पानी से लेकर हर खाने-पीने का सामान महंगा ही मिलता है लेकिन फिर भी कई एयरपोर्ट्स ऐसे होते हैं जिन पर इन सामानों के दाम कुछ ज्यादा ही महंगे होते हैं। तुर्किए का इंस्तांबुल हवाई अड्डा ऐसी ही एक जगह के रूप में विख्यात है, जहां पर खाने-पीने की चीजों के मूल्य लोगों को हैरत में डाल देते हैं

मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक एक यात्री ने दावा किया कि इंस्तांबुल एयरपोर्ट खाने पीने की बुनियादी चीजों को भी प्रीमियम कीमतों पर बेचता है। यह कई बार इतना महंगा होता है कि एक साधारण आदमी के लिए इसे खरीदना तक बहुत मुश्किल होता है। कीमतों के बारे में लिखा गया कि यहां पर एक बीयर की बोतल करीब 15 पौंड या करीब 1700 रुपए में मिल रही हैं, वहीं एक केला करीब 565 रुपए का बेचा जा रहा है। इस एयरपोर्ट पर हर दिन करीब 2 लाख से ज्यादा लोग आते और जाते हैं ऐसे में इन सभी यात्रियों के लिए इतनी ज्यादा कीमत रखना एक प्रकार से उनका अपमान करने और लूटने जैसा है। इंस्तांबुल एयरपोर्ट पर आसमान छूती कीमतों को लेकर इटली के अखबार कोरिएरे डेला सेरा ने भी एक रिपोर्ट की थी। इसके मुताबिक यह एयरपोर्ट खाने-पीने के मामले में यूरोप का सबसे महंगा एयरपोर्ट है। रिपोर्ट में एक एक इतावली लेखक का संस्मरण भी लिखा हुआ था, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें करीब 2300 रुपए में 90 ग्राम लसग्ना दिया गया था। उन्होंने बताया, कि यह एक ईंट के टुकड़े जैसा दिखता है, जिसमें पनीर और पत्तों जैसा कुछ छिड़का हुआ होता है। ऊंची कीमत के बावजूद भी यहां की भोजन की क्वालिटी कीमत से मेल नहीं खाती है।

बच्चों की फौज बनाने चाहते हैं एलन मस्क, एक्स पर बांट रहे अपने शुक्राणु

वाशिंगटन, एजेंसी।
दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति एलन मस्क की बच्चों की फौज बनाने की योजना से जुड़ी कुछ चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मस्क महिलाओं को बच्चे पैदा करने का प्रस्ताव दे रहे हैं और इसके लिए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। जापानी क्रिप्टो इन्फ्लुएंसर टिफनी फॉंग ने बताया कि उन्हें भी मस्क से ऐसा प्रस्ताव मिला था। जब उन्होंने मस्क के मैसेज सार्वजनिक किए तो मस्क ने उन्हें अनफॉलो कर दिया और उनके फॉलोअर्स भी कम हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, मस्क का मानना है कि दुनिया में अधिक बुद्धिमान लोगों को लाने के लिए उन्हें अधिक बच्चे पैदा करने चाहिए। वे सभ्यता के विनाश से पहले बच्चों की फौज बनाना चाहते हैं। मस्क कम से कम 14 बच्चों के पिता हैं। उनके बच्चों की मांओं में जस्टिन विल्सन, गायिका ग्राइम्स, न्यूरालिंक की निदेशक शिवॉन जिलिस और लेखक एश्ली सेंट क्लेयर शामिल हैं। शिवॉन जिलिस को विशेष दर्जा प्राप्त है, जिनके मस्क से चार बच्चे हैं। वे मस्क की प्रधानमंत्री मोदी और अन्य विश्व नेताओं के साथ बैठकों में भी शामिल होती हैं। गोपनीयता मस्क के इस मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिन महिलाओं ने सहमति दी, उन्हें लाभ मिला, जबकि सवाल उठाने वाली महिलाओं को समर्थन खोना पड़ा। एश्ली सेंट क्लेयर मस्क के 13वें बच्चे की मां ने बताया कि प्रसव के दौरान मस्क के एक सहयोगी ने उन्हें दस्तावेजों में मस्क का नाम न लिखने के लिए 1.5 करोड़ डॉलर और मासिक 1 लाख डॉलर का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, उन्होंने प्रस्ताव ठुकरा दिया और मस्क का नाम नहीं जोड़ा। बाद में जब उनके संबंध सार्वजनिक हुए तो उन्हें मिलने वाली सहायता राशि कम कर दी गई।

गूगल पर अमेरिकी अदालत का बड़ा फैसला, विज्ञापन कारोबार में 'अवैध दबदबे' का आरोप साबित

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका की एक अदालत ने तकनीकी दिग्गज गूगल के खिलाफ बड़ा फैसला सुनाया है। वर्जीनिया के अलेक्जेंड्रिया स्थित अमेरिकी जिला न्यायाधीश लियोनी ब्रिंकमा ने माना है कि गूगल ने ऑनलाइन विज्ञापन बाजार में जानबूझकर एकाधिकार स्थापित किया और उसे बनाए रखा।

इंटरनेशनल डेस्क- अमेरिका की एक अदालत ने तकनीकी दिग्गज गूगल के खिलाफ बड़ा फैसला सुनाया है। वर्जीनिया के अलेक्जेंड्रिया स्थित अमेरिकी जिला न्यायाधीश लियोनी ब्रिंकमा ने माना है कि गूगल ने ऑनलाइन विज्ञापन बाजार में जानबूझकर एकाधिकार स्थापित किया और उसे बनाए रखा। कोर्ट ने कहा कि गूगल ने दो प्रमुख क्षेत्रों- प्रकाशक विज्ञापन सर्वर और विज्ञापन एक्सचेंज बाज़ार में यह दबदबा बनाया।

विज्ञापन तकनीक के दो बाजारों में अवैध दखलत्र फैसले के मुताबिक, गूगल ने प्रकाशकों और विज्ञापन खरीददारों के बीच जो तकनीकी सिस्टम चलता है, उस पर खुद को जबरदस्ती लीडर के रूप में पेश किया और प्रतिस्पर्धा को हटा दिया। इससे दूसरे छोटे-बड़े विज्ञापन तकनीकी

खिलाड़ियों के लिए बाजार में जगह बनाना मुश्किल हो गया।

अब तय होगी सज़ा और समाधान की प्रक्रियात्र कोर्ट का यह फैसला अब गूगल के लिए कानूनी रूप से और मुश्किलें पैदा कर सकता है। आगे एक और सुनवाई होगी जिसमें यह तय किया जाएगा कि गूगल को अपने व्यवसाय के कौन-कौन से हिस्से बेचने पड़ सकते हैं या क्या बदलाव करने होंगे ताकि उस बाजार में फिर से निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा बहाल हो सके।

अमेरिकी सरकार को मिला डेटा एक्सेस का रास्ता: इस फैसले से एंटीट्रस्ट अभियोजकों को गूगल के विज्ञापन उत्पादों की गहराई से जांच करने की भी छूट मिल गई है। इससे सरकार को गूगल की गुप्त तकनीकी नीतियों और रणनीतियों की तह तक जाने में मदद मिलेगी।

भूकंप के तेज झटकों से दहल उठा म्यांमार, भारत में भी डोली धरती

म्यांमार एजेंसी।
आज सुबह म्यांमार और भारत के पूर्वोत्तर हिस्से में भूकंप के झटकों ने लोगों को हिला दिया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार, म्यांमार में सुबह करीब 3 बजे धरती कांपी। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 मापी गई और इसका केंद्र जमीन के 10 किलोमीटर नीचे रहा।

म्यांमार के बाद भारत के मेघालय राज्य में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। ईस्ट गारो हिल्स इलाके में सुबह-सुबह धरती हिलने लगी। भूकंप की तीव्रता 2.7 रही, और इसका केंद्र भी 10 किलोमीटर गहराई में रहा। हालांकि, किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है, लेकिन लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आए। बता दें कि 29 मार्च को म्यांमार में एक बड़ा भूकंप आया था जिसकी

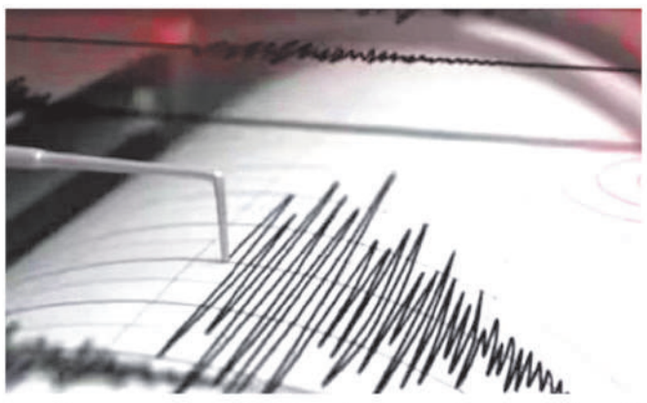

वजह से अब तक वहां कई छोटे-छोटे झटके महसूस किए जा चुके हैं। बीते दिन भी म्यांमार में 4.0 तीव्रता वाला भूकंप दर्ज किया गया था। लगातार आ रहे झटकों के कारण स्थानीय लोगों में डर बना हुआ है।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी पूरे क्षेत्र की निगरानी कर रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये झटके आफ्टरशॉक्स हो सकते हैं जो पहले आए बड़े भूकंप के कारण हो रहे हैं। विशेषज्ञों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है और अफवाहों से दूर रहने को कहा है।

भूकंप के बाद ईस्ट गारो हिल्स और म्यांमार दोनों ही जगहों पर लोग काफी सहमे हुए हैं। हालांकि प्रशासन ने साफ किया है कि हालात नियंत्रण में हैं और भूकंप से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। फिर भी लोग रात के समय डर के मारे सतर्कता बरत रहे हैं।

विशेषज्ञों ने कहा है कि भूकंप की तीव्रता फिलहाल कम थी, लेकिन अफवाहों से बचना जरूरी है। लोगों से अपील की गई है कि वे केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें और सोशल मीडिया पर फैल रही झूठी खबरों से दूर रहें।

जब किसी इलाके में बड़ा भूकंप आता है तो उसके बाद धरती में हलचल जारी रहती है। इसे ही आफ्टरशॉक्स कहा जाता है। ये झटके छोटे होते हैं लेकिन कभी-कभी नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए सतर्कता जरूरी होती है।

चाकू की नोंक पर अमेरिकी नागरिक ने छोटे विमान को किया हाईजैक, तीन लोग घायल

वाशिंगटन, एजेंसी।
एक अमेरिकी नागरिक ने बेलीज में चाकू की नोंक पर एक छोटे ट्रॉपिक एयर विमान का अपहरण कर लिया और बाद में एक यात्री ने उसे गोली मार दी. रॉयटर्स ने पुलिस के हवाले से यह जानकारी दी. इस दौरान हुई हाथापाई और खींचतान मे चाकू लगने से तीन यात्री घायल हो गए. वहीं, एक यात्री ने हमलावर को गोली मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई.

पुलिस आयुक्त चेस्टर विलियम्स ने संवाददाताओं को बताया कि हमलावर ने विमान के हवा में होने के दौरान चाकू निकाला और घरेलू उड़ान से उसे देश से बाहर ले जाने की मांग की. विलियम्स ने बताया कि अपहरणकर्ता की पहचान अमेरिकी नागरिक अकिनीला सावा टेलर के रूप में हुई है. हमलावर पहले एक सैनिक रह चुका है. हाईजैक हुई विमान में 13 यात्री थे. पुलिस आयुक्त के मुताबिक, अपहरण के दौरान विमान उत्तरी बेलीज और राजधानी बेलीज सिटी के बीच हवाई क्षेत्र में चक्कर लगा रहा था और उसमें ईंधन की कमी होने लगी. ब्रुष्ट न्यूज ने पुलिस का हवाला देते हुए कहा कि हमलावर देश से बाहर जाना चाहता था और उसने विमान के लिए ईंधन की मांग की. उन्होंने कहा कि विमान में सवार एक यात्री ने उसे लाइसेंसी बंदूक से गोली मार दी.

गाजा में युद्ध रोक दो, सभी बंधकों को छोड़ देंगे; शर्तों के साथ समझौते के लिए तैयार हमास

गाजा, एजेंसी।
इजरायल की ताबड़तोड़ कार्रवाई से हमास के हौंसले पस्त होते नजर आ रहे हैं। फिलिस्तीन के इस कट्टरपंथी संगठन ने एक महत्वपूर्ण घोषणा में कहा है कि वह गाजा में चल रहे युद्ध को समाप्त करने के वास्ते सभी बंधकों को छोड़ने के लिए तैयार है। हमास ने कहा है कि वह इजरायली सेना की पूर्ण वापसी और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले सभी इजरायली बंधकों को रिहा करने के लिए तैयार है। यह बयान हमास के वरिष्ठ अधिकारी खलील अल-हय्या ने गुरुवार को एक टेलीविजन भाषण में दिया। इस प्रस्ताव को गाजा में डेढ़ साल से अधिक समय से चल रहे संघर्ष को खत्म करने की दिशा में एक संभावित कदम के रूप में देखा जा रहा है।

हमास के वरिष्ठ अधिकारी खलील अल-हय्या ने कहा, हम एक व्यापक समझौते के लिए तैयार हैं, जिसमें सभी इजरायली बंधकों की रिहाई, इजरायल में कैद फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई, गाजा युद्ध का अंत और क्षेत्र के पुनर्निर्माण की शुरुआत शामिल हो। हालांकि, हमास ने स्पष्ट किया कि वह इजरायल की उस मांग को स्वीकार नहीं करेगा जिसमें उसे अपने हथियार डालने होंगे। अल-हय्या ने इजरायल के 45 दिन के अस्थायी युद्धविराम प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया, जिसमें हमास के हथियार डालने की शर्त शामिल थी।

हमास ने यह भी कहा कि कोई भी समझौता स्थायी युद्धविराम, इजरायली सेना की पूर्ण वापसी और गाजा के पुनर्निर्माण की गारंटी पर आधारित होना चाहिए। एक वरिष्ठ फिलिस्तीनी अधिकारी ने कहा, इजरायल का नवीनतम प्रस्ताव युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने की घोषणा नहीं करता और केवल बंधकों को प्राप्त करना चाहता है।

अल-हय्या ने इजराइल द्वारा प्रस्तावित 45 दिन की अस्थायी संघर्षविराम योजना को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि अब हमास किसी भी आंशिक समझौते को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू संघर्षविराम का इस्तेमाल केवल अपने राजनीतिक फायदे के लिए कर रहे हैं। उन्होंने रॉयटर्स के हवाले से कहा, नेतन्याहू और उनकी सरकार आंशिक समझौतों का इस्तेमाल अपनी उस राजनीतिक नीति को आगे बढ़ाने के लिए करते हैं, जिसका मकसद

नरसंहार और भुखमरी के जरिए युद्ध को जारी रखना है – भले ही इसके लिए अपने ही बंधकों की बलि क्यों न देनी पड़े। हम इस नीति को लागू करने का हिस्सा नहीं बनेंगे।

हमास की इस सख्त स्थिति से मिस्र के मध्यस्थों द्वारा युद्धविराम को बहाल करने की कोशिशों को और झटका लग सकता है। काहिरा में इस हफ्ते हुई बातचीत बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गई। हमास ने इजरायल की उस मांग को भी खारिज कर दिया है, जिसमें संगठन से अपने हथियार छोड़ने की शर्त रखी गई थी। हमास ने साफ कहा है कि वह तभी बचे हुए 59 इजराइली बंधकों को छोड़ेगा, जब इजराइल युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने पर सहमत होगा। इधर, इजरायली सेना ने गाजा पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। गुरुवार को हुए हवाई हमलों में गाजा स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कम से कम 32 फिलिस्तीनियों की मौत हुई, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। जबालिया में संयुक्त राष्ट्र संचालित एक स्कूल पर हमले में छह लोगों की जान गई। इजराइल ने दावा किया कि वहां एक हमास कमांड सेंटर था।

वहीं, हमास ने यह जानकारी दी कि इजरायली-अमेरिकी सैनिक एडन अलेक्जेंडर को बंधक बनाकर रखने वाले लड़ाकों से उनका संपर्क टूट गया है। बताया गया कि जिस स्थान पर अलेक्जेंडर को रखा गया था, वहां इजराइली हमले हुए। हमास ने एक वीडियो संदेश में बंधकों के परिवारों को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसे हमलों में उनके प्रियजन मारे जा सकते हैं।

संपादकीय

शांति सभी के लिए हितकर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर जो नजारा पेश आया उसमें एक साथ कई स्थितियां झलकती हैं। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक सदस्य ने स्थगन प्रस्ताव रखा कि सारा काम रोक कर वक्फ अधिनियम पर चर्चा की जाए और इसके विरोध में उसी तरह प्रस्ताव पारित किया जाए जिस तरह तमिलनाडु विधानसभा में किया गया।

एक सदस्य ने कहा कि जब 6 फीसद मुस्लिम आबादी वाला तमिलनाडु वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर सकता है तो मुस्लिम बहुल आबादी वाला जम्मू-कश्मीर क्यों नहीं यानी यहां वक्फ अधिनियम का विरोध मुस्लिम दृष्टिकोण से है। जब जम्मू-कश्मीर भाजपा के विधायक इस तरह के प्रस्ताव का विरोध करते हैं तब यह मामला सीधे-सीधे हिन्दू-मुसलमान का हो जाता है। लेकिन जब नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा चयनित विधानसभा अध्यक्ष पार्टी के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं देता और तमिलनाडु की तुलना पर कहता है कि इस समय यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है जबकि तमिलनाडु में उस समय प्रस्ताव पास हुआ था जब मामला न्यायालय में नहीं गया था।

लेकिन पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और नेशनल कॉन्फ्रेंस और कुछ निर्दलीय मुस्लिम विधायकों ने अध्यक्ष की बात को नकार दिया तो हंगामा यहां तक बढ़ा कि 'भारत माता की जय' और 'अल्लाह हू अक्बर' के नारे लगने लगे, धक्का-मुक्की हुई, हाथापाई भी हुई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की कोशिश यह दिखाई दी कि वह वक्फ अधिनियम का विरोध करते हुए भी दिखाई दें, मगर वास्तव में विरोध नहीं करें। जम्मू-कश्मीर की यह स्थिति मजहब, राजनीति और सत्ता के तेजी से बिगड़ते संतुलन का प्रतीक है। विधानसभा में जिस तरह की सांप्रदायिक कटुता दिखाई दी अगर वह सदन से बाहर प्रसारित होती है तो जम्मू-कश्मीर इस समय थोड़ी शांति से जी रहा है, फिर से उपद्रवी हालात की ओर मुड़ सकता है। ऐसी सूरत में मुख्यमंत्री उमर की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह इस मामले को यथाशीघ्र शांत करें और इसे अराजकवादी तत्वों के हाथ में पहुंचने से रोकें। केंद्र सरकार को भी इस मामले को हलके में नहीं लेना चाहिए। भाजपा और मुस्लिम नेताओं की भी इसमें जिम्मेदारी बनती है कि इस मुद्दे पर वे लोगों को अनावश्यक तौर पर न भड़काएं क्योंकि शांति सभी के लिए हितकर है। इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

व्यंग्य: डर बिकता है

हारर फिल्मों में डर का उत्पादन एक फैक्ट्री की तरह होता है—एकदम फॉर्मूला बेस्ड डर, जैसे स्कूल में पीरियड के लिए घंटी बजते ही सारे बच्चे अनुशासन में आ जाते थे, वैसे ही इन फिल्मों में डराने के लिए पों की सरसराहट और बिजली की कड़कड़ होती है। निर्देशक की सोच किसी भूतिया हवेली में जाती है, वहां कैमरा पहुंचते ही पो सरसराने लगते हैं। दरवाजा चूं चरर चूं की आवाज करता है और प्रकाश मद्धिम होता है, मकड़ी के जाले, धूल बोनस में मिलते हैं, पर एक चौकीदार हवेली में जाने किसकी तीमारदारी के लिए सुलभ मिलता है।

विवेक रंजन श्रीवास्तव

भूत का भय भूत से बड़ा होता है। डर ही पैदा करना है, तो सीधे भूत को सामने लाइए, ये पेड़ों में लटकाकर भूत को सजा देने मुझे क्या तुक है?

और बारिश, हर भूतिया कहानी में बारिश होती ही है? क्या भूतों का मौसम विभाग से कोई अनुबंध है? जहां डर की आवश्यकता हो, वहां तुरंत घनघोर घटा, आंधी आ जाती है। बिजली गायब हो जाती है और आती है, व्हाया आसमान, लरजती चमकती कड़कती है, जैसे किसी पुराने बिजली विभाग के कर्मचारी ने आसमान में एक्स्ट्रा ओवरटाइम लगाया हो।

हारर फिल्में एक खास ध्वनि प्रभाव पर जीती हैं।

साउंड इंजीनियर के ट्रेक फिक्स हैं, दरवाजा के पल्ले खोलते ही वह चरमराता है, बैकग्राउंड में पायल के घुंघरू छनकाते सफेद वस्त्रावृत महिला दूर जाती दिखती है।

इतने पर भी जब समझदार दर्शकों के रोंगटे खड़े नहीं होते तो किसी चमगादड़ को अचानक उड़ाना पड़ता है साउंड इफेक्ट दर्शक में डर भरने का काम करता है।आता है। इस मुकाम के आते आते फिल्म समीक्षक दस में से कितने स्टार देने हैं, तय कर चुकते हैं।

हर हारर फिल्म में एक कहानी श्लोक की तरह दोहराई जाती है। पचास साल पहले इस हवेली में एक साध्वी की निर्मम हत्या हुई थी... तबसे उसकी आत्मा यहां भटक रही है।

मतलब पचास साल हो गए, और आत्मा अभी भी निकलने वाला मूड नहीं बना पाई! इतने सालों में उसे कोई आत्मा विकास केंद्र न मिल पाया।

ये फिल्मी आत्माएं भी पुरानी हवेलियों में ही क्यों भटकती हैं? रेलवे स्टेशन, नए नए खुल रहे एयर कंडीशन मॉल या बिजली विभाग के दफ्तर में क्यों नहीं दिखतीं? शायद वहां डराने से पहले ही उन्हें टिकट या बिजली बिल भरना पड़ता हो।

पुरानी एवरेडी वाली टार्च की रोशनी में जब बुजुर्ग चौकीदार खड़खडाहट की तरफ रोशनी डालता है तो काली बिल्ली नजर आती है। भूत भी इतने सभ्य होते हैं कि हमेशा रात का ही इंतजार करते हैं। दिन में अगर कोई डरावना सीन हो जाए तो सेंसर बोर्ड शायद उस भूत की नागरिकता रद्द कर दे। और जब भूत आता है, तो कैमरा ज़ूम इन करता है—तीन बार, तीन एंगल से—मानो भूत की कोई इंस्टाग्राम रील बन रही हो! कुछ फिल्मों में तो भूत खुद को इतना स्टाइलिश दिखाते हैं कि लगने लगता है जैसे वो कोई ब्यूटी पार्लर से निकलकर सीधे शूट पर आए हों। बाल लहराते हुए, भूरी आंखों में काजल, और चाल में स्लो मोशन—भूत कम, फैशन शो के प्रतिभागी लगते हैं।

नायक या नायिका अकेले किसी कोठरी में जाता है, और वहां दीवार पर खून से लिखा होता है—भाग जा! लेकिन वो उल्टा पूछता है, कौन है? अरे, लिखा है भाग जा, तो भाग! पर हॉरर फिल्म का राइटर पंगा लेता ही है। ओझा या तांत्रिक की एंट्री होती है, मनोरंजन डबल, इस बीच एक गाना सैट हो जाता है। बाबा लोग हमेशा काले कपड़े में आते हैं। अग्नि प्रज्ज्वलित की जाती है। आत्मा भी मानो स्क्रिप्ट पढ़कर आई हो, बड़बोले बिना समझे मंत्रों के साथ अग्नि में विलीन होकर मुक्त हो जाती है। दर्शक के सिर से बोझ उतर जाता है, और पारस से रुपए। समय के साथ कुछ फिल्मों ने थोड़ा मॉडर्न टच दिया है। अब भूत व्हाट्सऐप पर भी दिखने लगे हैं। कोई कोई भूत चैट पर मैं तुम्हें देख रहा हूँ जैसा मेसेज भेजता है। भूत भी डिजिटल हो गए हैं, अब डराने के लिए टिकटॉक ट्रेंड नहीं, इंस्टा फिल्टर यूज़ करते हैं।

बहरहाल डर वह भाव है जो बिकता है, बस कोई हॉरर फिल्म बना सके तो।

श्रापित गर्भ

अभिलाषा श्रीवास्तव

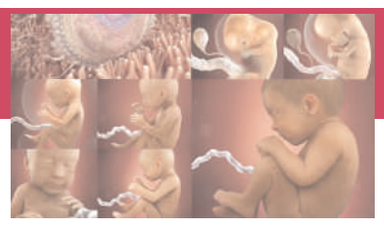

अक्सर घरों में किसी के निधन के बाद उसकी पुण्यतिथि मनाई जाती हैं और सार्मथ्य अनुसार दान-पुण्य किया जाता हैं ताकि आत्मा को शांति मिले मगर हर तबका मे एक मृत्यु के बाद ना तो पुण्यतिथि मनाई जाती हैं न ही आंशू बहाई जाती हैं और ना ही दान पुण्य होता है क्योंकि मृतक माँ के कोख में ही दम तोड़ देतीं हैं बात कड़वी हैं लेकिन 100 प्रतिशत सही है, जी हाँ मैं बात कर रहीं हूँ माँ के उस गर्भ की जो पुत्र मोह के लिए पुत्री के हत्या से रंग जातें हैं। कहते है कंस अपनी बहन के बच्चों का हत्या जन्म के बाद कारागार में करता रहा क्योंकि उसे डर था अपने प्राणों की मगर माँ के गर्भ गृह में मारने वाला कंस कौन हैं वह भी अपने अबोध अंश का उसे किसी का डर नहीं बस पुत्र रत्न प्राप्ति की अभिलाषा और यही से शुरू होने लगता है। पाप-पुण्य का वह खेल जो मानव रुपी पिता से वह अपराध करवाने लगता है जो ना चाह कर भी माता पिता कर बेठते है खैर मेरा काम था लिखना क्योंकि गीता -कुरान बाकी धार्मिक किताबों में केवल लिखा गया है बाकी तो सभी समझदार हैं ही। अपने आंगन के नन्ही दूब को फैलने दे कोई फर्क नहीं पड़ता समाज को की आपके घर बेटा है या बेटी उन्हें अपने हाथों से कुचलने की चेष्टा ना करें, सृष्टि हैं तभी शिव हैं वरना पत्थरों पे फूल खिलते नहीं अजन्मा- भ्रूण हत्या व्यक्तिगत सोच हैं, मजबूरी नहीं फिर खुद के हाथों अपने उस कलीं को कैसे कुचल सकते है जिसके अंदर हमारा रक्त यहा तक की धडकन भी साथ साथ धड़क रहा हो और वह नन्ही सी जान हाथों में आने के लिए पल- पल प्रतिक्षा कर रही हो माँ तो मिट्टी से बनी हुई दुर्गा की वह प्रतिमा होती हैं जिसका स्वभाव ही मातृत्व फिर अपने कोख का रक्षा करने में असर्मथ कैसे हो सकती हैं क्योंकि पुरुष के साथ साथ वंश की चाहत प्रंचड हावी स्त्री मन में भी होता है और अंधकार में छोटी सी पवित्र दिप अपनी अस्तित्व खो देतीं हैं। अगर स्त्री स्वयं के भ्रूण हत्या को होने से नहीं बचा सकती तो उसे फिर माँ कहलाने का हक कैसा माँ तो जननी होतीं हैं उसके लिए पुत्र और पुत्री का क्या भेद

स्कूलों की मनमानी और छात्रों के साथ होता गुलामों जैसा व्यवहार!

देश में शिक्षा के व्यवसायीकरण के बढ़ते दायरे का विद्रूप कई बार बेहद अफ़सोसनाक तस्वीर सामने कर देता है। निजी विद्यालयों में मनमानी इस कदर बढ़ती जा रही है कि वे विद्यार्थियों को केवल कमाई का जरिया समझने लगे हैं। ऐसा लगता है कि मुनाफ़ाखोरी में लगे ये विद्यालय इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं करते कि महंगाई के इस दौर में बच्चों को किसी तरह पाल रहे कुछ माता-पिता कैसे अतिरिक्त शुल्क का बोझ सहेंगे। हालांकि इनमें ज्यादातर शुल्कों का कोई मजबूत आधार नहीं होता है, लेकिन संबंधित सरकारी महकमे अपनी आंखें मूंद कर एक तरह से इसकी अनुमति ही देते हैं।

नतीजतन मनमानी बढ़ती जाती है। तकलीफ़देह यह है कि शुल्क वसूलने के क्रम में स्कूल प्रबंधन की ओर से कई बार ऐसे तौर-तरीके अपनाए जाते हैं, जो न केवल नियमों के विरुद्ध होते हैं, बल्कि उसके लिए मानवीयता के सारे तकाजों को ताक पर रख दिया जाता है। गौरतलब है कि देश की राजधानी के द्वारका इलाके में स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में अनधिकृत शुल्क का भुगतान न करने पर कुछ बच्चों को पुस्तकालय में बंद कर दिया गया और उन्हें कक्षाओं में जाने से भी रोक दिया गया।

100 प्रतिशत सफलता के झूठे दावे और कोचिंग इंडस्ट्री का कड़वा सच

सही है कि हाल के दशकों में ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के क्रम में कोचिंग संस्थानों की भूमिका बढ़ती गई है। बल्कि आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा जगत के दायरे में इसे कोचिंग उद्योग के नाम से जाना जाने लगा है। मगर इस क्रम में बनी निर्भरता के समांतर बहुत सारे कोचिंग संस्थान अपने यहां दाखिले के लिए जिस तरह के दावे करते हैं, अपनी उपलब्धियों, सुविधाओं और संसाधनों को इस कदर बढ़ा-चढ़ा कर पेश करते हैं कि कई विद्यार्थी इसके प्रभाव में वहां चले जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी अन्य संस्थान में पढ़ाई किए सफल अभ्यर्थी को वे अपने यहां का बता दें। हालांकि कई बार ऐसे दावे झूठे निकलते हैं।

कोचिंग संस्थानों की इस प्रवृत्ति पर कई बार सवाल उठ चुके हैं, सरकार ने सख्ती बरतने की बात कही है, खुद सर्वोच्च न्यायालय भी कह चुका है कि कई कोचिंग संस्थान अभ्यर्थियों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। मगर अलग-अलग तरीके अपना कर झूठे दावे करने के चलन पर अब तक रोक नहीं लगाई जा सकी है।

अब एक बार फिर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कोचिंग संस्थानों की ओर से परोसे जाने वाले भ्रम पर शिकंजा कसने के लिए कड़ी चेतावनी जारी की है। उपभोक्ता अधिकारों से संबंधित इस निकाय ने उनके लिए पिछले वर्ष निर्धारित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। इसके तहत कोचिंग संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके विज्ञापन 'सटीक, स्पष्ट हों और भ्रामक दावों से मुक्त' हों; विद्यार्थियों के दाखिले को लेकर बताई जाने वाली जानकारी में पूरी पारदर्शिता हो। यह छिपा नहीं है कि प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराने के मद्देनजर कोचिंग संस्थान जिस तरह की प्रचार सामग्री जारी करते हैं, उनका केंद्रीय भाव यही होता है कि उनके यहां पढ़ाई करने के बाद सफलता की गारंटी और चयन की संभावना 'सौ फीसद' होगी।

अवकाश की तफरीह में

छुट्टी में शरीक गलबहियों का असर यह कि सार्वजनिक आयोजन भी कहीं तफरीह करने निकल गए। हिमाचल दिवस की रौनक का जज्बा इस बार किलाड़ में देखा गया, लेकिन जिला के उदास मंचों से सार्वजनिक हाजिरी नदारद रही। हमारी भीड़ अब गुलदस्ते में फूल नहीं, स्वार्थ की भूल भुलैया में खुश है। यूं तो वर्ष भर हिमाचल दिवस का आंगन शिमला के सचिवालय में सजता है और मंत्रियों के आगे सजदा करती भीड़ में कार्यसंस्कृति खाली कनस्तर बन जाती है, मगर राष्ट्रीय-प्रादेशिक पर्व के अवकाश अब घर की तिजोरी में गुम हो रहे हैं।

जिलों के सार्वजनिक अवकाश के फैशन में इस बार हिमाचल दिवस की पलकें इंतजार करती रहीं, लेकिन राज्य का उत्सव व उत्साह वहां नहीं आया। क्यों न हम इन्हें हिमाचल उत्सव की तरह जिलों में मनाएं। क्यों न हिमाचल के विभिन्न वर्गों व विशेषज्ञों से इस अवसर पर चर्चा कराएं। हिमाचल दिवस क्यों चंद सरकारी घोषणाओं का मंच बनकर एक राज्य स्तरीय समारोह के अलावा अन्य स्थानों पर औपचारिक रस्म बन गया। हिमाचल दिवस के संदर्भ अगर सार्वजनिक करने हैं, तो हर विभाग को अपनी योजनाओं और राज्य के भविष्य के पक्ष में चर्चाएं-परिचर्चाएं और नए मजमून तैयार करने होंगे।

मसलन अगर स्वास्थ्य मंत्री कांगड़ा में हिमाचल दिवस के मुख्यातिथि हैं, तो वहां एक हफ्ते की सरगर्मियों चिकित्सा से जुड़े विषयों पर बहस के मसौदों पर खुल कर बात करें। क्यों न पुलिस मैदान पर हिमाचल दिवस के मुख्यातिथि से पूछा जाए कि वहां से चंद कदम दूर जोनल अस्पताल में महीनों से एमडी(मेडिसन) का कोई विशेषज्ञ डाक्टर नहीं भेज पा रहा।

अगर काबिना रैंक पर्यटन विभाग की अस्मिता ढोने वाले आरएस बाली हमीरपुर के समारेह में शिरकत करते हुए यह खाका पेश नहीं करते कि जिले में पर्यटन के मायने कैसे मजबूत होंगे, तो हम अवसर गंवा रहे हैं। जहां शहरी विकास मंत्री मुख्यातिथि बने वहां कम से कम शहरी निकायों का भविष्य तो समझाया जाए। इसी परिप्रेक्ष्य में हर जिला में मुख्यातिथि से संबद्ध विभाग की कम से कम एक हफ्ता कार्यशाला लगे और जनता के सुझाव व स्वतंत्र आलोचना के सबक दर्ज करके, एक रिपोर्ट पेश की जाए। दरअसल हिमाचल दिवस की व्याख्या में प्रदेश के भविष्य की भागीदारी जनता के हर पैगाम तथा मुकाम तक पहुंचनी चाहिए। हमें मंचों से भाषण नहीं, हिमाचल दिवस की राहों से गुजर कर नई मंजिल तलाश करनी होंगी। ऐसे राज्यस्तरीय समारोहों के ताज न तो छुट्टी से मुकम्मल होंगे और न ही तोहफों के शक्ल में सरकारी शगुन रसीद होने चाहिएं। ऐसे समारोह की शोभा को घोषणाओं ने कैद कर लिया है, जबकि हर नागरिक के मन में एक ऐसा हिमाचल स्थापित करना होगा, जहां उसकी भूमिका और किरदार की संवेदना सर्वोपरि होनी चाहिए। क्यों कुछ समारोहों की खिड़कियां बंद और कुर्सियां खाली रहीं, इस पर सोचना होगा।

अंतत: ऐसे सार्वजनिक अवकाश की प्रासंगिकता ही क्या जहां एक पूरा दिन राज्य इसलिए विश्राम कर रहा है ताकि दुनिया में सनद रहे कि ऐसा हो सकता है। हम हिमाचल क्यों बने, यह कैसे बताएंगे और क्या किसी समारोह ने यह बताने की चेष्टा की। अगर हिमाचल दिवस को भाषा, बोली, संस्कृति और पहाड़ी परिवेश की खूबियों से ही रंग दें, तो कलाकार सारे हिमाचल को एक सूत्र में पिरो सकते हैं। अगर हिमाचली बोलियों के साहित्यकारों को मंच प्रदान कर दें, तो प्रदेश के हर अर्थ में एक इबादत हो सकती है।

हिमाचल दिवस में अतीत के झरोखों से सीख लेते हुए, क्यों न इसे विस्थापन दिवस के रूप में याद करें।

क्यों न हम भाखड़ा-पौंग, अन्य जलाशयों व परियोजनाओं से विस्थापित हो रहे लोगों के प्रति सम्मान प्रकट करें। क्यों न हम इस बार जोगिंद्रनगर में हिमाचल दिवस समारोह को शानन विद्युत परियोजना की वापसी की हुंकार से मनाते। क्या हमें याद है कि कितनी रियासतों के संगम पर हिमाचल बना। क्या हमने कभी लौटकर उस इतिहास को हिमाचल दिवस में याद किया। हिमाचल सिरमौर-मंडी और शिमला के आजादी आंदोलन में था, वह पहाड़ी गांधी बाबा कांशी राम के साथ भी चला। प्रदेश में दो योद्धा बजीर राम सिंह पठानिया और जोराबर सिंह वास्तव में हमारी मिट्टी के राष्ट्रीय तिलक हैं, लेकिन क्या हम उनके पक्ष में हिमाचल दिवस को समर्पित कर पाए। हर गांव से शहर के फलक तक हिमाचल के कई किरदार पूजनीय-बंदनीय हैं, लेकिन क्या हम हिमाचल दिवस की दिवाली उनके नाम कर पाए।

वक्फ की 'सुप्रीम' समीक्षा

सर्वोच्च अदालत वक्फसंशोधन अधिनियम, 2025 पर 'अंतरिम आदेश' जारी करने के मूड में है, लेकिन कानून पर फिलहाल रोक लगाने के पक्ष में नहीं है। नए कानून की संवैधानिकता को चुनौती देती 73 याचिकाएं प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने हैं। कुछ सवाल न्यायिक पीठ ने भी उठाए हैं, लेकिन वे वक्फसे जुड़े विवादों पर चिंतित भी हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने वक्फसंशोधन कानून के खिलाफ भड़क़ती-सुलगती हिंसा पर परेशानी और हैरानी जताई। अंतत: उन्होंने अपील के स्वर में कहा- 'मामला सर्वोच्च अदालत के सामने है, लिहाजा हिंसा बेमानी है। हिंसा नहीं की जानी चाहिए।' बहरहाल सर्वोच्च पीठ की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रही। पीठ ने 'वक्फबाय यूजर' के मुद्दे पर केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है और दो सप्ताह में उसका जवाब मांगा है। नए कानून में जो प्रावधान तय किए गए हैं, न्यायिक पीठ उनसे सहमत नहीं लगती। जस्टिस खन्ना ने कहा है कि अंग्रेजों से पहले वक्फ रजिस्ट्रेशन नहीं होता था। कई मस्जिदें 13वीं-14वीं सदी की हैं। आप ऐसे 'वक्फ बाय यूजर' को कैसे रजिस्टर करेंगे? वे दस्तावेज कहां से दिखाएंगे? यह असंभव है। यदि वक्फबाय यूजर की संपत्ति को 'डी-नोटिफाई' किया जाता है, तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। न्यायिक पीठ का तीन मुद्दों पर मूड स्पष्ट दिखाई दिया। एक, अदालत से वक्फ घोषित संपत्ति 'डी-नोटिफाई' नहीं होगी। वह वक्फबाय यूजर हो अथवा वक्फबाय डीड हो। दूसरा, कलेक्टर वक्फ संपत्ति का सर्वे कर सकते हैं, लेकिन वक्फकी संपत्ति वक्फ बोर्ड के पास ही रहेगी। उसकी प्रकृति नहीं बदल सकते। अदालत को सूचित करेंगे। तीसरा, वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फपरिषद के सभी सदस्य मुस्लिम होने चाहिए, सिवाय पदेन सदस्यों के। वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों को लेकर प्रधान न्यायाधीश जस्टिस खन्ना और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के बीच तीखी बहस भी हुई।

न्यायमूर्ति ने पूछा कि क्या सरकार हिंदू धार्मिक बोर्ड या मंदिरों के प्रबंधन में किसी मुसलमान को शामिल करेगी? यहां तक कि सॉलिसिटर जनरल ने न्यायिक पीठ के तीनों न्यायाधीशों के धर्म (हिंदू) पर सवाल उठाया। प्रधान न्यायाधीश ने जवाब दिया-'जब हम इस सीट पर बैठते हैं, तो हमारी व्यक्तिगत पहचान मायने नहीं रखती।

कानून के सामने सभी पक्ष एकसमान हैं।' अब यदि सर्वोच्च अदालत कोई अंतरिम आदेश जारी करती है, तो उसमें कुछ निर्देश सरकारी कानून के खिलाफ भी हो सकते हैं। मुस्लिम पक्ष के वकील कपिल सिब्बल बार-बार अनुच्छेद 26 और 20 करोड़ लोगों की आस्था और उनके धार्मिक प्रबंधन के अधिकार का मुद्दा उठा रहे थे, तो प्रधान न्यायाधीश ने साफ कहा कि अनुच्छेद 26 सार्वभौमिक और धर्मनिरपेक्ष है। यह विधायिका को कानून बनाने से नहीं रोकता। यह सभी समुदायों पर लागू होता है। संसद ने हिंदुओं के संदर्भ में भी कानून बनाए हैं। न्यायमूर्ति ने सिब्बल को धार्मिक बातें कहने से रोका। सिब्बल ने ही 'अंतरिम आदेश' की मांग की थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कानून पर रोक लगाने की मांग की थी। प्रधान न्यायाधीश ने उसे भी खारिज कर दिया। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी स्पष्ट किया कि जामा मस्जिद सरीखी स्मारक इमारतें यथावत रहेंगी। उनसे कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। जस्टिस खन्ना ने वक्फ संशोधन कानून की धारा 2-ए के प्रावधान पर चिंता जताई। इतना तो स्पष्ट लगता है कि न्यायिक पीठ वक्फकानून को खारिज नहीं करेगी और रोक लगाने के भी आसार नगण्य हैं, लेकिन ऐसे कुछ सुधार करवा सकती है, जो संविधान के मद्देनजर न्यायोचित नहीं हैं।

वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को क्या भोग लगाएं?

वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की वरूथिनी एकादशी का व्रत इस साल 24 अप्रैल 2025 के दिन रखा जाएगा। गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है और ऐसे में इसी दिन एकादशी का पड़ना बहुत शुभ माना जाता है। गुरुवार और वरूथिनी एकादशी के योग के कारण इस दिन भगवान विष्णु के वराह अवतार की पूजा करने से जीवन में बाधाओं का नाश होता है और भय एवं शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। वरूथिनी एकादशी के दिन अगर आप भी व्रत रख रहे हैं तो भगवान विष्णु को प्रसन्न कर उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए उनकी पूजा-आराधना के साथ ही उन्हें उनका प्रिय भोग भी अर्पित करें।

भगवान विष्णु को लगाएं पीली मिठाई का भोग

भगवान विष्णु को पीला रंग बहुत पसंद है। इसलिए वरूथिनी एकादशी के दिन उन्हें पीले रंग की मिठाई का भोग लगाना अच्छा माना जाता है। ऐसा करने से भगवान विष्णु खुश होते हैं और उनका आशीर्वाद मिलता है। यह भी माना जाता है कि इस शुभ काम से सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं।

भगवान विष्णु को लगाएं दही-चीनी का भोग

वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को मीठा दही जरूर चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से घर में झगड़े खत्म होते हैं और भगवान विष्णु की कृपा से परिवार के लोगों के बीच प्यार और एकता बढ़ती है। वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पंजीरी का भोग लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है।

भगवान विष्णु को लगाएं पंचामृत का भोग

वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पंचामृत का भोग लगाना बहुत ही अच्छा माना जाता है। पंचामृत चढ़ाने से घर में लक्ष्मी जी का वास होता है और घर की आर्थिक हालत सुधरने लगती है। भगवान विष्णु को सफेद लड्डू भी चढ़ाए जा सकते हैं इससे घर में पारिवारिक शांति बनी रहती है।

शुक्रवार के दिन इस विधि से करें मां लक्ष्मी का अभिषेक

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी की पूजा धन, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति के लिए की जाती है। मां लक्ष्मी को भगवान विष्णु की पत्नी और धन, वैभव, और ऐश्वर्य की देवी माना जाता है। उनकी पूजा विशेष रूप से शुक्रवार के दिन की जाती है। उनकी कृपा से सौभाग्य और सकारात्मकता बढ़ती है। ऐसा माना जाता है कि उनकी पूजा से जीवन में सभी प्रकार की समृद्धि आती है, जिसमें भौतिक सुख-सुविधाएं भी शामिल है। आपको बता दें, जिस तरह सभी देवी-देवताओं का अभिषेक किया जाता है, ठीक वैसे ही मां लक्ष्मी का भी अभिषेक पूरे विधि-विधान के साथ किया जाता है।

शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी का अभिषेक किस विधि से करें?

- शुक्रवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें।
- अपने घर के पूजा स्थल को साफ करें और वहां एक चौकी स्थापित करें।
- चौकी पर लाल या गुलाबी रंग का कपड़ा बिछाएं।
- मां लक्ष्मी की प्रतिमा को गंगाजल से शुद्ध करें।
- अपने आप पर भी गंगाजल के छींटे डालें।
- एक पात्र में अभिषेक की सभी सामग्री जैसे कि दूध, दही, शहद, घी, चीनी और गंगाजल मिलाएं। यदि केसर है तो वह भी मिला सकते हैं।
- मंत्रों का जाप करते हुए धीरे-धीरे इस मिश्रण को मां लक्ष्मी की प्रतिमा पर अर्पित करें।
- अभिषेक के बाद प्रतिमा को शुद्ध जल से स्नान कराएं और साफ कपड़े से पोंछ लें।
- मां लक्ष्मी को रोली, कुमकुम और अक्षत का तिलक लगाएं।
- उन्हें फूल अर्पित करें, विशेष रूप से कमल का फूल अर्पित करना शुभ माना जाता है।
- मां लक्ष्मी के सामने धूप और दीप जलाएं।
- मां लक्ष्मी को मिठाई का भोग लगाएं। खीर या सफेद मिठाई विशेष रूप से प्रिय है।
- मां लक्ष्मी की आरती करें। ध्यान रखें कि इनकी आरती कभी भी खड़े होकर नहीं करनी चाहिए।

अभिषेक करने का नियम

- शुक्रवार को मां लक्ष्मी की पूजा और अभिषेक के लिए शुभ मुहूर्त देखा जाता है। यह आमतौर पर संध्या काल या प्रदोष काल होता है।
- अभिषेक करने से पहले पूजा स्थल और मां लक्ष्मी की मूर्ति को अच्छी तरह से साफ किया जाता है।
- अभिषेक करने के दौरान मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप –

श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं सिद्ध लक्ष्म्यै नमः
श्री महालक्ष्म्यै च विद्महे विष्णु पत्न्यै च
धीमहि तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात
ह्रीं श्रीं क्लीं धन लक्ष्म्यै नमः
महालक्ष्म्यै नमो नमः, विष्णु पत्न्यै नमो नमः

अभिषेक करने का महत्व

मां लक्ष्मी को धन, समृद्धि, और सौभाग्य की देवी माना जाता है। उनकी पूजा करने से भक्तों को आर्थिक रूप से स्थिरता और उन्नति मिलती है। मां लक्ष्मी की पूजा करने से जातकों को कभी भी धन संबंधित समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है।

माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए रोजाना करें ये 3 उपाय

माता लक्ष्मी को धन की देवी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि जिस पर माता लक्ष्मी की कृपा होती है उसके पास कभी भी धन की कमी नहीं होती है। वहीं यदि लक्ष्मी जी रूठ जाएं तो ऊंचाइयों से भी मनुष्य नीचे गिर सकता है। इसी वजह से लोग नियमित रूप से लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने के उपाय ढूंढते रहते हैं। ऐसी मान्यता है कि घर में यदि साफ़ सफाई है तो हमेशा माता लक्ष्मी उस घर में वास करती हैं। वहीं घर में इकट्ठा गंदगी से और कोने में जमा कूड़े से लक्ष्मी जी के चरण घर के भीतर नहीं आ पाते हैं।

नियमित रूप से घर की सफाई करें

मान्यता है कि माता लक्ष्मी के आगमन के द्वार घर में तभी खुलते हैं जब घर साफ सुथरा रहता है। इसलिए आपको नियमित रूप से घर की सफाई जरूर करनी चाहिए। सफाई के समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि कोने में कचरा इकट्ठा न हो। इसके साथ ही आपको भूलकर भी शाम के समय घर में झाड़ू नहीं लगानी चाहिए। आपको घर की सफाई हमेशा दिन के समय ही करनी चाहिए।

घर के मुख्य दरवाजे पर हल्दी से स्वास्तिक बनाएं

मान्यता है कि यदि आप घर के मुख्य द्वार पर रोजाना हल्दी से स्वास्तिक बनाते हैं तो ये आपके घर में धन वर्षा के मार्ग खोलने में मदद करता है। ऐसा माना जाता है कि मुख्य द्वार से ही माता लक्ष्मी का आगमन घर में होता है और यदि नियमित रूप से स्वास्तिक बनाया जाए तो यह माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने का एक मुख्य उपाय है। इसके साथ ही यदि आप इस स्वस्तिक में दीपक प्रज्वलित करके रखती है तब भी यह आपके लिए फायदेमंद होगा।

माता लक्ष्मी की आरती करें

यदि आप रोजाना माता लक्ष्मी की आरती करेंगी तो ये घर में मुख्य धन आगमन के द्वार खोलने में मदद करेगा। ज्योतिष के अनुसार नियमित रूप से माता लक्ष्मीकी आरती और पूजा करने की सलाह दी जाती है जो आपके लिए समृद्धि का मुख्य स्रोत मानी जाती है। यदि आप नियमित रूप से माता लक्ष्मी की पूजा और आरती करती हैं तो ये उपाय आपके जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होने देता है।

वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पीले चंदन का लेप किस विधि से लगाएं?

हिंदू धर्म में वरुथिनी एकादशी का व्रत बेहद शुभ फलदायी माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। अब ऐसे में अगर आप भगवान विष्णु की पूजा कर रहे हैं तो किस विधि से चंदन का लेप लगाने से लाभ हो सकता है।

सनातन धर्म में वरुथिनी एकादशी का व्रत हर साल वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि के दिन रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति इस दिन पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-पाठ करता है। उसे सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है और कुंडली में स्थित ग्रहदोष के अशुभ प्रभाव भी कम हो जाते हैं। इतना ही नहीं, इस दिन भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप भी करें और स्तोत्र का पाठ भी करें। अब ऐसे में अगर आप वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा कर रहे हैं तो उन्हें पीले चंदन का लेप किस विधि से लगाएं और इसे लगाने के नियम क्या है।

भगवान विष्णु को चंदन का लेप लगाने की विधि

- सबसे पहले, स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा स्थल को साफ करें और भगवान विष्णु की मूर्ति या चित्र को स्थापित करें।
- चंदन का पेस्ट तैयार करें। पेस्ट बनाने के लिए, शुद्ध चंदन पाउडर को थोड़े से गंगाजल या शुद्ध जल में मिलाएं।
- भगवान विष्णु की मूर्ति या चित्र पर धीरे-धीरे चंदन का लेप लगाएं।
- लेप लगाते समय, ऊं नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करते रहें।
- आप भगवान को पीले फूल, तुलसी के पत्ते, पंचामृत और घी का दीपक भी अर्पित करें।
- आखिर में भगवान विष्णु की आरती करें।

भगवान विष्णु को चंदन का लेप लगाने के नियम

- हिंदू धर्म में चंदन को बहुत पवित्र माना जाता है। यह भगवान विष्णु को बहुत प्रिय है। चंदन का लेप लगाने से मन शांत होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
- भगवान विष्णु को चंदन का लेप लगाने के बाद अपने माथे पर भी चंदन का तिलक लगाएं।
- अगर आप भगवान विष्णु को चंदन का लेप लगा रहे हैं तो आप पहले उस लेप को अपने हाथ में लें और फिर उस लेप को भगवान विष्णु को लगाएं। इससे कुंडली में स्थित गुरुदोष से छुटकारा मिल सकता है।
- वरुथिनी एकादशी के दिन आप भगवान विष्णु को चंदन ब्रह्म मुहूर्त में लगाएं। इससे उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

भगवान विष्णु को पीला चंदन लगाने का महत्व

पीले चंदन को शुभता, पवित्रता और सकारात्मकता का प्रतीक है। भगवान विष्णु को पीला चंदन का लेप लगाने से जीवन में आ रही समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही अगर आपके वैवाहिक जीवन में किसी तरह की कोई समस्या आ रही है तो उससे भी छुटकारा मिल सकता है।

असुर होते हुए भी इन राक्षसों ने क्यों की थी भगवान विष्णु की पूजा?

हम सभी ने अक्सर पौराणिक कथाओं में ये सुना है कि असुरों का संहार करने का काम भगवान विष्णु ने अपने अलग-अलग अवतारों द्वारा किया है और असुरों को वरदान देने का काम करते थे भगवान शिव। इसी कारण से असुरों को भगवान शिव शंभू प्रिय थे और भगवान विष्णु से असुरों को भयंकर घृणा थी, लेकिन कुछ ऐसे असुर भी थे जिन्होंने राक्षस कुल में जन्म लेने के बाद भी भगवान विष्णु की या उनके अवतारों की भक्ति को चुना था। तो चलिए जानते हैं कि कौन थे वो असुर जिन्होंने की थी भगवान विष्णु की पूजा और क्या था इसके पीछे का कारण।

राक्षस घोरा ने की थी भगवान विष्णु की पूजा

प्राचीन काल में एक गौरा नाम का राक्षस हुआ करता था। वह असुर कुल में जन्मा था लेकिन इसके बाद भी उसकी निष्ठा भगवान विष्णु के प्रति थी। एक पौराणिक कथा के अनुसार घोरा नाम का रक्षा पृथ्वी पर राज्य करना चाहता था, लेकिन जब उसने यह देखा कि पृथ्वी तो शेषनाग के शीश के ऊपर सज्ज है और शेषनाग के राजा भगवान विष्णु हैं तो उसने सोचा कि क्यों ना पृथ्वी को प्राप्त करने के लिए भगवान विष्णु की पूजा की जाए।

राक्षस घोरा ने कई हजार सालों तक भगवान विष्णु की पूजा कर उन्हें प्रसन्न किया जब भगवान विष्णु ने घोरा को दर्शन दिए तो उसने भगवान विष्णु से पृथ्वी के राजा बनने की इच्छा जताई जिस पर भगवान विष्णु ने उसे वरदान दिया कि अब से वह पृथ्वी का राजा कहलाएगा। हालांकि पृथ्वी का राजा बनते ही रक्षा गोरा ने मनुष्यों पर अत्याचार करना शुरू कर दिया और अपनी आसुरी शक्तियों का दुरुपयोग करने लगा जिसके बाद खुद मां विंध्यवासिनी जो कि मां पार्वती का ही एक स्वरूप हैं उन्होंने राक्षस घोरा से युद्ध किया उसे परास्त किया और उसका वध कर पृथ्वी को उसके अत्याचारों से मुक्त कराया।

असुर राज बलि ने की थी भगवान विष्णु की पूजा

असुर राज बलि भी एक राक्षस कुल से संबंध रखते थे।वे दैत्यों के राजा और अपार बल के स्वामी थे। असुर होने के बाद भी राजा बलि भगवान विष्णु की भक्ति करते थे। जब भी राजा बलि कोई हवन-अनुष्ठान किया करते थे तो सबसे पहले भगवान विष्णु को ही हवन सामग्री अर्पित करते थे। एक बार राजा बलि ने देवताओं को युद्ध में पराजित कर स्वर्ग को अपने कब्जे में ले लिया था, जिससे सभी देवता अत्यंत दुखी हो गए थे। अपने दुखों का समाधान ढूंढते हुए, देवता अपनी माता अदिति के पास पहुंचे और उन्हें अपनी समस्या बताई। तब अदिति ने अपने पति कश्यप ऋषि के कहने पर एक व्रत किया, जिसके शुभ फलस्वरूप भगवान विष्णु ने वामन देव के रूप में अवतार लिया। भगवान विष्णु जानते थे कि राजा बलि वामन अवतार में उनसे कुछ भी मांगेंगे तो वह मना नहीं करेंगे और हुआ भी ऐसा ही है। राजा बलि से जब वामन देव ने तीन पग भूमि मांगी तो उन्होंने दे दी जिसके बाद वामन देव ने तीन पग भूमि में तीनों लोक नाप लिए। चूंकि यह देवताओं की सुरक्षा के लिए किया गया भगवान विष्णु द्वारा छल था। इसलिए भगवान विष्णु ने राजा बलि को पाताल का राजा बनाते हुए उनके राज्य की हमेशा रक्षा करने का वचन दिया।

राक्षस शंखचूर्ण ने की थी भगवान विष्णु की पूजा

शंखचूड़ दैत्य, दैत्यराज दंभ का पुत्र था। दंभ की कोई संतान नहीं थी, इसलिये उसने संतान प्राप्ति के लिए भगवान विष्णु की कठिन तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु प्रकट हुए और दंभ से वर मांगने के लिए कहा। दंभ ने तीनों लोकों में अजेय और महापराक्रमी पुत्र की इच्छा जताई। भगवान विष्णु ने तथास्तु कहकर उसे वरदान दिया और फिर अंतर्धान हो गए। इसके बाद, दंभ के घर एक पुत्र का जन्म हुआ, जिसका नाम शंखचूड़ रखा गया।

शंखचूड़ भी भगवान विष्णु का परम भक्त सीध हुआ। विशेष रूप से शंखचूड़ की संपूर्ण भक्ति भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण के प्रति समर्पित थी। शंखचूड़ ने भगवान श्री कृष्ण की तपस्या कर उनसे कृष्ण कवच भी प्राप्त किया था, लेकिन जब शंखचूड़ ने अपनी शक्तियों का प्रयोग देवताओं के विरुद्ध करना शुरू किया तब भगवान शिव ने शंखचूड़ का वध कर दिया। इसी कारण से भगवान शिव की पूजा में शंख बजाना वर्जित है।

जेनसोल इंजीनियरिंग के स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। जेनसोल इंजीनियरिंग के स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि अन्य कारोबारों के पूंजीगत व्यय के लिए बैलेंस शीट के इस्तेमाल और कंपनी की इतनी ऊंची ऋण लागत से सेवा की स्थिरता से जुड़ी चिंताएं बढ़ रही हैं।

मेनन का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले मंगलवार को सेबी ने फंड डायवर्जन और गवर्नेंस लैप्स मामले में जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके प्रमोटरों - अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी- को अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। कंपनी के प्रवर्तकों में से एक अनमोल सिंह जग्गी को संबोधित अपने त्यागपत्र में मेनन ने कहा, अन्य व्यवसायों के पूंजीगत व्यय को वित्तपोषित करने के लिए जीईएल की बैलेंस शीट का लाभ उठाने तथा जीईएल द्वारा इतनी अधिक ऋण लागत की सेवा की स्थिरता पर चिंता बढ़ रही थी। बाजार नियामक ने जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड (जीईएल) को उसकी ओर से घोषित स्टॉक विभाजन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। नियामक ने प्रमोटरों को किसी भी सूचीबद्ध कंपनी में निदेशक या मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक का पद धारण करने से भी रोक दिया है।

अमेरिका से पढ़कर आया बिजनसमैन बन गया डिलीवरी बॉय

नई दिल्ली, एजेंसी। जिंदगी में कई बार मुश्किल दौर आता है। ऐसे में हम अक्सर ध्यान भटकाने वाली चीजें ढूंढते हैं। कुछ लोग घूमने जाते हैं, तो कुछ छुट्टी लेते हैं। लेकिन एक यूजर ने कुछ अलग किया। उसका एक बिजनस प्लान फेल हो गया था। उसने अपने पिता से इस बारे में बात की। पिता ने उसे एक अलग नजरिया देखने की सलाह दी। यहीं से सब कुछ शुरू हुआ। रेडिट यूजर ने एक पोस्ट में अपनी पूरी कहानी बताई है। यह यूजर कई साल तक अमेरिका में रहा। फिर वह भारत लौटा और एक सफल बिजनस शुरू किया। उसने माना कि उसे कभी रोज के खर्चों की चिंता नहीं हुई। इसलिए, उसने कुछ नया करने की सोची। उसने जोमैटो में डिलीवरी एजेंट के तौर पर काम करने का फैसला किया। उसने यह काम सिर्फ एक वीकेंड के लिए किया।

जोमैटो पार्टनर के तौर पर अपने अनुभव को शेयर किया है। यह अनुभव ऑनलाइन लोगों का ध्यान खींच रहा है। यूजर ने बताया कि वह एक अपर-मिडल-क्लास परिवार में पला-बढ़ा और उसने 10 साल से ज्यादा अमेरिका में बिताए। फिर वह भारत वापस आ गया और अपनी कंपनी शुरू की। लेकिन एक बड़ा प्रोजेक्ट खोने के बाद उसका बुरा समय शुरू हो गया। वह लंबे समय से इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा था। ऐसे निराशाजनक समय में उसके पिता ने उसे जिंदगी को एक अलग नजरिए से देखने की सलाह दी।

डिलीवरी बॉय की दिक्कतें- उसने पोस्ट में लिखा, कुछ हफ्ते पहले, मैंने एक बड़ा प्रोजेक्ट खो दिया जिसके लिए मैं महीनों से पिच कर रहा था। मुझे बहुत बुरा लगा। मैं निराश था, खुद पर सवाल उठा रहा था और एक तरह के मिडलाइफ क्राइसिस से गुजर रहा था। मेरे पिताजी ने यह देखा और मुझे सांत्वना देने की कोशिश की। उन्होंने धीरे से मुझे याद दिलाया कि मैं अपनी जिंदगी में ज्यादातर आर्थिक मुश्किलों से बचा रहा हूं और शायद यह एक अलग नजरिया पाने का समय है।

गौतम अडानी का बढ़ेगा दबदबा, ऑस्ट्रेलिया में खरीदेंगे टर्मिनल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी निजी बंदरगाह कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड लि. एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपना दबदबा बढ़ाने जा रही है। गौतम अडानी के नेतृत्व वाली कंपनी ऑस्ट्रेलिया में कोयला निर्यात टर्मिनल का अधिग्रहण करेगी। यह सौदा बिना नकद के 2.4 अरब डॉलर में होगा। एप्सेज नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल का अधिग्रहण कर रही है। इससे कंपनी को 2029-30 तक अपनी क्षमता दोगुनी करने में मदद मिलेगी। एप्सेज ने बताया कि उसके निदेशक मंडल ने कार्माइकल रेल एंड पोर्ट सिंगापुर होल्डिंग्स पीटीई लि. से एबॉट पॉइंट पोर्ट होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर को खरीदने की मंजूरी दे दी है। सीआरपीएसएचपीएल एक संबंधित पक्ष है।

एबॉट पॉइंट पोर्ट होल्डिंग्स के पास उन कंपनियों का मालिकाना हक है जिनके पास नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल है। यह टर्मिनल हर साल 5 करोड़ टन कोयला निर्यात कर सकता है। यह ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर बोवेन से लगभग 25 किमी उत्तर में एबॉट पॉइंट के बंदरगाह पर है।

एप्सेज ने पहले 2011 में की थी डील- एप्सेज ने पहले 2011 में एबॉट पॉइंट पर नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल को 2 अरब डॉलर में खरीदा था। फिर 2013 में अडानी परिवार ने एप्सेज से उसी कीमत पर इस संपत्ति को खरीदा। इससे कंपनी को भारत में अपने कामकाज को बढ़ाने में मदद मिली।

अब, एप्सेज के पास अच्छा पैसा है और भारत में उसकी स्थिति मजबूत है। इसलिए, कंपनी अपनी वैश्विक विकास योजना के तहत इस टर्मिनल को फिर से खरीद रही है।

कंपनी ने एक बयान में कहा, यह लेन-देन बिना नकद के होगा। एप्सेज, एपीपीएचच में 100 फीसदी हिस्सेदारी के बदले में सीआरपीएसएचपीएल को 14.38 करोड़ नए शेयर देगी। यह नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल के 3.975 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 2.4 अरब डॉलर) के उद्यम मूल्य पर आधारित है। इसका मतलब है कि एप्सेज, एपीपीएचच को खरीदने के लिए सीआरपीएसएचपीएल को पैसे नहीं देगी, बल्कि अपनी कंपनी के शेयर देगी। यह सौदा 2013 में किए गए सौदे के लगभग बराबर है। उस समय भी संपत्ति का मूल्यांकन लगभग इतना ही था।

कंपनी ने क्या बताया

कंपनी ने देनदारियों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। लेकिन यह जरूर कहा कि लेन-देन के हिस्से के रूप में एप्सेज, एपीपीएचच के बही-खाते पर अन्य गैर-मुख्य संपत्तियों और देनदारियों को भी लेगी... सौदे के बाद एप्सेज का निवेश समान स्तर पर बना रहेगा। इसका मतलब है कि एप्सेज, एपीपीएचच की कुछ देनदारियों को भी लेगी, लेकिन इससे कंपनी के निवेश पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। एप्सेज का कहना है कि इस अधिग्रहण से उसे 2029-30 तक अपनी क्षमता को दोगुना कर एक अरब टन सालाना करने के लक्ष्य को जल्दी हासिल करने में मदद मिलेगी। अभी एप्सेज के पास जितने बंदरगाह हैं, उनकी क्षमता मिलाकर लगभग 50 करोड़ टन है। इस अधिग्रहण से कंपनी की क्षमता में 5 करोड़ टन की बढ़ोतरी होगी।

अडनी का चौथा विदेशी अधिग्रहण

पिछले दो वर्षों में यह भारत की सबसे बड़ी बंदरगाह कंपनी का चौथा विदेशी अधिग्रहण है। अब कंपनी के पास कुल 19 बंदरगाह और टर्मिनल होंगे। इनमें से 15 भारत में हैं और 4 विदेश में हैं। इजरायल में एक बंदरगाह, तंजानिया और श्रीलंका में टर्मिनल अन्य तीन अंतरराष्ट्रीय स्थान हैं जहां एप्सेज काम करती है। इस अधिग्रहण से एप्सेज एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बन जाएगी। कंपनी का लक्ष्य है कि वह दुनिया की सबसे बड़ी बंदरगाह कंपनियों में से एक बने। इस दिशा में यह अधिग्रहण एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सौदा दिखाता है कि अडानी समूह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। कंपनी न केवल भारत में, बल्कि विदेश में भी तेजी से बढ़ रही है। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा।

आरबीआई ने 3 बैंकों पर लगाया भारी-भरकम जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने नियामकीय अनुपालन में कुछ खामियों के लिए कोटक महिंद्रा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) पर जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि कोटक महिंद्रा बैंक पर बैंक लोन वितरण के लिए ऋण प्रणाली पर

दिशानिर्देश के अलावा लोन और एडवांस, वैधानिक और अन्य प्रतिबंध पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए 61.4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि केवाईसी के कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर 38.6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

पंजाब नेशनल बैंक पर भी कार्रवाई- इसके अलावा बैंकों में ग्राहक सेवा पर रिजर्व बैंक द्वारा जारी कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए पंजाब नेशनल बैंक पर 29.6 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। तीनों मामलों में रिजर्व बैंक ने कहा कि यह जुर्माना नियामकीय अनुपालन में खामियों पर आधारित है तथा इसका उद्देश्य बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर निर्णय देना नहीं है।

को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द- इससे पहले, रिजर्व बैंक ने अहमदाबाद स्थित कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया था। रिजर्व बैंक के मुताबिक इसके पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि गुजरात सहकारी समितियों के पंजीयक को भी बैंक को बंद करने और बैंक के लिए एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। परिसमापन पर प्रत्येक जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से केवल 5 लाख रुपये की मौद्रिक सीमा तक अपनी जमा राशि पर बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा। रिजर्व बैंक ने आगे कहा कि सहकारी बैंक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, लगभग 98.51 प्रतिशत जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी जमा राशि की पूरी राशि प्राप्त करने के हकदार हैं।

आईएमएफ का दावा: यूएस टैरिफ से कमजोर होगी वैश्विक अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने दावा किया है अमेरिकी टैरिफ में वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था कमजोर होगी। इसके अलावा इस वर्ष मुद्रास्फीति बढ़ेगी। हालांकि, आयात शुल्कों में वृद्धि वैश्विक मंदी का कारण नहीं बनेगी। आईएमएफ का ये अनुमान अगले सप्ताह यानी मंगलवार को जारी किया जाएगा।

आईएमएफ की प्रबंध निदेशक, क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए शुल्कों से वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि आयात कर वैश्विक विकास को धीमा कर देंगे, लेकिन दुनिया भर में मंदी का कारण नहीं बनेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था की ताकत की परीक्षा हो रही है, क्योंकि वैश्विक व्यापार प्रणाली में बड़े बदलाव हो रहे हैं, और ये बदलाव वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह अशांति पिछले कुछ हफ्तों से वित्तीय बाजारों में चल रही है। खासकर वॉल स्ट्रीट पर, जिसने दिन-प्रतिदिन और अक्सर घंटे-दर-घंटे उतार-चढ़ाव का अनुभव किया है।

जनवरी में जारी अनुमान में मुद्रास्फीति में कमी का था अनुमान

जनवरी में जारी अपने सबसे हालिया अनुमानों में, आईएमएफ ने विश्व अर्थव्यवस्था के नाममात्र तेजी से बढ़ने और मुद्रास्फीति में कमी आने का अनुमान लगाया था। हालांकि, आईएमएफ ने चेतावनी भी दी थी कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों, जिनमें कर कटौती और विदेशी आयातों पर शुल्क में वृद्धि शामिल है, के कारण संभावनाएं कम हो गई हैं। हालांकि, जनवरी के पूर्वानुमानों में बदलाव होने की संभावना है। इसके अलावा, वाशिंगटन स्थित ऋण एजेंसी ने उस समय कहा था कि उसे उम्मीद है कि इस साल और अगले साल विश्व अर्थव्यवस्था 3.3 फीसदी बढ़ेगी, जो 2024 में 3.2 फीसदी होगी।

देशों से टैरिफ कम करने की अपील

आईएमएफ प्रमुख जॉर्जीवा ने ट्रंप प्रशासन की कुछ चिंताओं को भी दोहराया। उन्होंने देशों से अपने टैरिफ और व्यापार में अन्य बाधाओं को कम करने की अपील की। उन्होंने कहा, व्यापार विकृतियों- टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं ने बहुपक्षीय प्रणाली की नकारात्मक धारणाओं को बढ़ावा दिया है, जो सभी को बराबरी का मौका देने में नाकाम रही है। कुछ जगहों पर लगता है कि उनके साथ गलत हो रहा है। उनका मानना है कि वे नियमों का पालन करते हैं, जबकि अन्य नियम तोड़ते हैं और फायदा उठाते हैं।

अनिश्चितता का कारण बनते हैं टैरिफ

जॉर्जीवा ने कहा कि टैरिफ अनिश्चितता का कारण बनते हैं, जो महंगा हो सकता है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति श्रृंखलाओं की जटिलता के कारण, दर्जनों देशों में टैरिफ से एक ही वस्तु की लागत प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई व्यापार बाधाएं भी विकास को तुरंत प्रभावित करती हैं, और जबकि इससे अधिक घरेलू उत्पादन हो सकता है, इसे लागू करने में समय लगता है।

कॉपर की कीमत में हाल के दिनों में काफी तेजी

वेदांता के अनिल अग्रवाल ने इसे अगला गोल्ड बताया है

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉपर की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। हाल में इसकी कीमत 10,000 डॉलर प्रति टन के ऊपर पहुंच गई थी। इसकी वजह यह है कि नए जमाने की हर तकनीक में इसका यूज हो रहा है और इसे सुपर मेटल कहा जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर रिन्यूएबल एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डिफेंस से जुड़े साजोसामान में तांबे का यूज हो रहा है। इसकी बढ़ती डिमांड को देखते हुए अडानी और जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने भी एंट्री मारी है। फिलहाल, भारत में सिर्फ हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और सरकारी कंपनी हिंदुस्तान कॉपर ही तांबा बनाती हैं। इस बीच वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने तांबे को अगला सोना करार दिया है। उनका कहना है कि देश के निवेशकों और उद्यमियों को कॉपर पर मिशन मोड में काम करने की जरूरत है।

अग्रवाल ने ङ्क पर एक फोटो शेयर की जिसमें लिखा है कि कॉपर अगला सोना है। इसमें उन्होंने

लिखा, बैरिक गोल्ड दुनिया में सोने का उत्पादन करने वाली दूसरी बड़ी कंपनी है। अब यह कंपनी सिर्फ बैरिक के नाम से जानी जाएगी। इसकी वजह यह है कि कंपनी तांबे की माइनिंग पर ध्यान दे रही है। तांबा एक नया सुपर मेटल है। इसका इस्तेमाल हर नई तकनीक में हो रहा है। चाहे वो श्वङ्कह्य हों, रिन्यूएबल एनर्जी का ढांचा हो, ढ्ढ हो या फिर डिफेंस के उपकरण, सब में तांबा काम आ रहा है।

भारत में खपत- भारत में रिफाइंड तांबे का उत्पादन लगभग 555,000 टन प्रति वर्ष है, जबकि घरेलू खपत 750,000 टन से ज्यादा है। भारत हर साल लगभग 500,000 टन तांबा आयात करता है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार 2030 तक भारत में तांबे की मांग दोगुनी हो सकती है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत में प्रति व्यक्ति तांबे की खपत लगभग 0.6 किलोग्राम है, जबकि वैश्विक औसत 3.2 किलोग्राम है। तांबे के उत्पादन में चिली सबसे ऊपर हैं। उसके बाद पेरू का नंबर है। चीन और कांगो भी तांबे के बड़े उत्पादक देश हैं।

क्यों बढ़ रही डिमांड

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में तांबे की खदानों को फिर से शुरू किया जा रहा है। तांबा गलाने वाली नई भट्टियां भी बन रही हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि तांबे की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। भारत में भी क्रिटिकल और ट्रांजिशन मेटल्स के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। युवा उद्यमियों और निवेशकों के लिए यह एक बड़ा मौका है। इसे एक मिशन बना लेना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि तांबे की कीमतें आने वाले समय में और भी बढ़ सकती हैं। इसलिए तांबे में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। तांबा उतना ही जरूरी है जितने लिथियम और कोबाल्ट। इनका इस्तेमाल रिचार्जेबल बैटरी में होता है। तांबे का यूज सेलफोन, एलईडी लाइट और फ्लैट-स्क्रीन टीवी में होता है। साथ ही तांबे का इस्तेमाल तारों और ट्रांसमिशन लाइनों में होता है। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर तांबा आयात करता है। 2023 में भारत ने तांबे को 30 महत्वपूर्ण खनिजों में शामिल किया था। 2018 में वेदांता के स्टरलाइट कॉपर प्लांट के बंद होने के बाद से भारत का तांबा आयात बढ़ गया है। यह प्लांट लगभग 400,000 टन तांबा बनाता था।

सैलरी थी सिक्योरिटी गार्ड के बराबर...नौकरी छोड़ लगाया दिमाग, आज खड़ी कर दी 10 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के बक्सर जिले के अजय राय ने डिजिटल मार्केटिंग में सफलता हासिल की है। उन्होंने साबित किया है कि बिहार के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अजय ने रिसर्च डेवलपमेंट में महारत हासिल की। अब वह युवाओं को नौकरी दे रहे हैं। उनकी कंपनी कई देशों में फैली हुई है। अजय ने 2017 में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने के बाद कुछ समय तक नौकरी की। सैलरी इतनी कम थी कि उन्होंने बाद में अपना व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया। इस फैसले से उनके पिता नाराज भी थे। लेकिन, आज अजय अपनी सफलता से पूरे परिवार को गौरवान्वित कर रहे हैं। आइए, यहां अजय राय की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कंप्यूटर साइंस में बीटेक- अजय राय बक्सर जिले के अरेला गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता व्यास देव राय दिल्ली में एक सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। अजय की शुरुआती शिक्षा दिल्ली में ही हुई। उन्होंने 2013 में बोर्ड की परीक्षा पास की। फिर पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी से 2017 में कंप्यूटर साइंस में बीटेक की डिग्री हासिल की। डिग्री हासिल करने के बाद अजय राय को एक

कंपनी में 15,000 रुपये की नौकरी मिली। उन्होंने लगभग 2 साल तक नौकरी की। लेकिन, उन्हें लगा कि वह नौकरी उनके लिए सही नहीं है। वह कुछ अलग करना चाहते थे। कम सैलरी से भी वह बहुत असंतुष्ट थे।

पिता बहुत हुए नाराज- अजय राय ने जब नौकरी छोड़ने का फैसला लिया तो उनके पिता व्यास देव राय बहुत नाराज हुए। उन्होंने 6 महीने तक अजय से बात नहीं की। परिवार के अन्य सदस्य भी अजय के इस फैसले से खुश नहीं थे। उन्हें डर था कि कहीं अजय का फैसला गलत न हो जाए। पिता की इस नाराजगी का कारण यह था कि वह मध्यम वर्गीय परिवार से थे। बहुत मेहनत से बच्चों को पढ़ाया लिखाया था। उन्हें लगा कि नौकरी छोड़ने के बाद अजय कुछ नहीं कर पाएंगे।

2020 में शुरू की अपनी कंपनी- 2020 में अजय राय ने अपनी कंपनी यूपीकोच शुरू की। कंपनी बनाने के बाद उन्होंने बहुत मेहनत की। अजय ने विदेश के क्लाइंट से संपर्क साधना शुरू किया। पहले अजय बाइक से ड्यूटी जाते थे, लेकिन बाद में बस से जाना शुरू किया। बस में जो समय मिलता था, उस दौरान वह अपना काम करते थे। इस तरह वह हर दिन 3 घंटे का समय काम के लिए निकाल लेते थे। अजय राय ऑफिस में अपने सीनियर के पास बैठते थे और रिसर्च डेवलपमेंट का काम सीखते थे। बस यात्रा के दौरान वह फोन, मैसेज और सोशल मीडिया पर क्लाइंट को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते थे। धीरे-धीरे उन्हें काम मिलना शुरू हुआ। इसके बाद उन्होंने दुबई और कोलंबिया में ऑफिस खोले।

अब करोड़ों का कारोबार

अजय राय ने जिस कॉन्सेप्ट पर काम करना शुरू किया, वह बिल्कुल अलग था। विदेश में बिजनेस कोच का कॉन्सेप्ट बहुत लोकप्रिय है। कोच के जरिए लोग अपनी समस्याओं का समाधान करते हैं। अगर आपके साथ पारिवारिक समस्या है तो उसका समाधान भी कोच करेंगे। अगर शादी करनी है तो उसके लिए भी कोच उपलब्ध हैं। अगर बिजनेस करना है तो आप कोच से संपर्क कर सकते हैं। अजय ने कोच के लिए ब्रांडिंग का काम शुरू किया। आज की तारीख में 15-16 देशों में अजय राय की कंपनी के क्लाइंट हैं। अजय राय की एक और कंपनी है जिसका नाम ट्रैफिक एक्सपर्ट एलसीसी है। इस कंपनी का मुख्यालय न्यूयॉर्क में है। यह कंपनी गूगल ट्रैफिक मामलों को देखती है। इस कंपनी में अजय राय के साथ एक और सहयोगी हैं जो पार्टनरशिप में काम करते हैं। अजय राय ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर 50 से अधिक लोगों को रोजगार दे रखा है। अजय राय की कंपनी का टर्नओवर 10 करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है।

नारायणमूर्ति के 17 महीने के पोते ने कमाए 3.3 करोड़ रुपये, कुल संपत्ति जानकर हैरान रह जाएंगे

बंगलूरू , एजेंसी। भारत की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के पोते एकाग्रह रोहन मूर्ति ने महज 17 महीने की उम्र में 3.3 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। दरअसल ये कमाई इंफोसिस के डिविडेंड से हुई है। एकाग्रह रोहन मूर्ति, नारायणमूर्ति और सुधा मूर्ति के बेटे रोहन मूर्ति के बेटे हैं। कुछ समय पहले ही नारायण मूर्ति ने इंफोसिस के 15 लाख शेयर एकाग्रह के नाम किए थे। अब उन्हीं शेयर पर यह 3.3 करोड़ रुपये का डिविडेंड मिला है।

एकाग्रह 240 करोड़ रुपये के मालिक- एकाग्रह नारायण मूर्ति भारत के सबसे युवा करोड़पतियों में से एक हैं। नारायण मूर्ति ने पोते एकाग्रह को बीते दिनों इंफोसिस के 15 लाख शेयर बतौर उपहार दिए थे। जिसके बाद एकाग्रह के पास कंपनी की 0.04 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जिस वक्त शेयर उपहार स्वरूप दिए गए थे, उस वक्त उनकी कीमत करीब 240 करोड़ रुपये थी। गुरुवार को इंफोसिस ने 22 प्रतिशत डिविडेंड का एलान किया। चूंकि एकाग्रह के पास 15 लाख शेयर हैं तो उन्हें डिविडेंड के तौर पर 3.3 करोड़ रुपये मिले। इस तरह एकाग्रह अब तक अपने शेयर से कुल 10.65 करोड़ रुपये का डिविडेंट कमा चुके हैं। इससे पहले एकाग्रह को डिविडेंट के तौर पर 7.35 करोड़ रुपये मिल चुके हैं।

इंफोसिस को चौथी तिमाही में मुनाफा घटा- देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस का चौथी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 12 प्रतिशत घटकर 7033 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी का राजस्व 7.92 प्रतिशत बढ़कर 37,923 करोड़ रुपये रहा। इंफोसिस ने चौथी तिमाही में कंपनी में 199 कर्मचारियों को नौकरी पर रखा।

खबर-खास

छीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन की प्रांतीय आमसभा संपन्न

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन की प्रांतीय आमसभा का भव्य आयोजन दुर्ग जिले के भिलाई स्थित विवेकानंद हॉल, स्मृति नगर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रांतीय निर्वाचन अधिकारियों द्वारा सर्वप्रथम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया, जिसके पश्चात दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने के पश्चात निर्वाचन प्रक्रिया के अनुसार नामांकन स्वीकार किए गए।

प्रदेशभर से पधारे जिला अध्यक्षों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अंतर्गत संगठन की एकता एवं प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए सर्वसम्मति से प्रांतीय पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन किया। प्रांताध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रमुख महामंत्री, महामंत्री, कोषाध्यक्ष पद पर एकल आवेदन प्राप्त होने के कारण संपूर्ण निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हुआ। प्रांताध्यक्ष पद पर राजेश चटर्जी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर राजेन्द्र सिंह (दद्दा), उपाध्यक्ष पद पर चंद्रशेखर चंद्राकर एवं चंद्रभान सिंह निर्मलकर, प्रमुख महामंत्री सतीश ब्यौहरे, महामंत्री आकाश राय, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र चन्द्राकर निर्विरोध निर्वाचित हुए। प्रांतीय प्रबंधकारिणी के गठन हेतु शेष पदाधिकारियों का मनोनयन का अधिकार आम सहमति से नव निर्वाचित प्रांतीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को दिया गया। निर्वाचन अधिकारी द्वय दीपक चौधरी एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीके दास ने निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा करते हुए निर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष (उप प्रांताध्यक्ष) राजेन्द्र सिंह (दद्दा) ने उपरोक्त जानकारी देते हुए कहा है कि प्रांतीय प्रबंधकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन होना संगठन के भीतर आपसी समन्वय, विश्वास एवं एकजुटता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

आम सभा में प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी ने ऑडिट रिपोर्ट वर्ष 2024-25 प्रस्तुत किया, जिसका अनुमोदन आमसभा में किया गया।

आमसभा में प्रदेश के विभिन्न जिलों से संगठन के पदाधिकारी में प्रमुख रूप से मोहम्मद सुल्तान आजाद, संजय त्रिपाठी, राजेन्द्र सिंह दद्दा, केआर देशमुख, पवन कुमार कामड़े, जीवन लाल चन्द्राकर, दिग्विजय सिरमौर, डॉ. संगीता चंद्राकर, राधेश्याम साहू, राजनांदगांव जिले से सतीश ब्यौहरे, पीआर झाड़े, पीएल साहू, सीएल चंद्रवंशी, अब्दुल कलीम खान, सोहन निषाद, वीरेंद्र रंगारी, पुष्पेंद्र साहू, सुधांशु सिंह, राजेंद्र देवांगन, शीतल टंडन, पोषण साहू, बृजभान सिन्हा, उत्तम डड़सेना, जितेंद्र बघेल, अन्य जिलों से खेमराज सिंह, अरुण ध्रुव, रविन्द्र सिंह पोर्ते, जॉय चक्रवर्ती, राकेश साहू, देवेन्द्र बंछोर, केके धुरंधर, महेंद्र वर्मा, बलदाऊ सिंह पटेल, रामकुमार डड़सेना, अविनाश तिवारीए, बिहारी लाल शर्मा, पवन सिंह, श्रीमती देवमणि साहू, नीलम सोनी, बस्तर से आरडी तिवारी, भानुशंकर नागराज, चेतन राम जैन, डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, मुंगेली से रामकृष्ण वैष्णव, विक्रम सिंह ठाकुर, देशबंधु शर्मा, नरोत्तम दस मांडले सहित समस्त जिलो के प्रतिनिधि सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे।

आमसभा को प्रत्येक जिला के प्रमुख पदाधिकारियों ने खुलकर विचार रखा। समापन अवसर पर सभी वक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी एवं संगठन की भावी दिशा के प्रति उत्साह प्रकट करते हुए कहा-हमारा संगठन ही हमारा परिवार है। जय घोष एवं तालियों की गूंज के साथ सभा का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

छावनी भिलाई एसडीएम ने बिलासपुर हाई कोर्ट का गुमराह कर दी गलत जानकारी

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग जिले का एक बड़ा मामला सामने आया है। नंदनी-खुदनी से ए.सी.सी. गोबदा पुलिया तक भारीवाहन का आवागमन लगा रहता है। जिसे इस मार्ग पर यातायात का दबाव काफी बना रहता है अधिकतर एसीसी सीमेंट की चुना पत्थर भारी वाहन दिन भर खदान से प्लांट तक आना-जाना करते रहते हैं। जिसे आये दिन दुर्घटना होने की संभावना रहता है। इस मार्ग में नंदनी खुदनी से ए.सी.सी. गोबदा पुल के बीच देवरझाल, बानबरद, अहिवारा, सेमरीयाबागडुमर,अहेरी,विरोभाट, खेदामारा, नवातरीया, जामुल, इत्यादि गांव पडता है। इन गांव के स्कूली बच्चे इस मार्ग में आना-जाना करते हैं। यह कि उपर लिखित ग्राम एवंआस-पास के लोग सुबह 6. बजे से रात 8 बजे तक भिलाई औद्योगिक क्षेत्र एवंभिलाई-दुर्ग रोजी-रोटी के लिए हजारो लोग सायकिल एवं मोटर सायकिल से आना-जाना करते है। बरसात के दिनो में भारी वाहन के कारण लोगो के शरीर पर पानी का छींटा एवं गर्मी के दिनों में धुल उडता है। जिससे इस मार्ग पर सायकिल एवं मोटर सायकिल सेआने-जाने वालों पर स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। एवं आये दिन इस मार्ग पर दुर्घटना होने की संभावना रहती है। यह कि उक्त पुलिस अधीक्षक यातायात महोदय दुर्ग जो प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है जिसमें यह कहा गया है कि

नंदनी-खुदनी होकर गोबदा पुलिया मार्ग जहां वर्तमान में माइनिंग सामग्रीयों के परिवहन हेतु भारी वाहनों का निरंतर आवागमन होता है। जिसे सड़क पर काफी दबाव होने से इसे मरम्मत एवं रख-रखाव की

आवश्यकता होती है। प्रस्तावित है कि मार्ग में भारी वाहनों के आवागमन की दृष्टि से यदि उक्त मार्ग के समानांतर एक सी सी रोड का निर्माण ए.सी.सी. सिमेंट प्रबंधन जामुल द्वारा कराया जाता है तो प्रश्नाधीन मार्ग पर भारी वाहनों के दबाव को कम किया जा सकता है। जिससे इस मार्ग में क्षतिग्रस्त होने एवं दुर्घटनाएं घटित होने की

भी संभावना को भी कम किया जा सकता है। समानांतर मार्ग निर्मित होने से खनिज का परिवहन निरंतर सरल, सुलभ एवं निर्बाद रूप से हो सकता है।इस प्रकार की सुझाव दुर्ग जिला कलेक्टर महोदय द्वारा दिया गया था वहीं आदेश पत्र क्रमांक 263 दिनांक 14/0 5/ 2018 को नंदिनी नगर से एसीसी चौक तक भारी वाहनों के आवागमन पर जनहित में सुरक्षा कि दृष्टि से सुबह 06 बजे से रात्रि 09 बजे तक प्रतिबंध किया गया था। पुलिस अधीक्षक दुर्ग के पत्र दिनांक 24/ 05/ 2018 एवं सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यों के प्रतिवेदन से सहमत होते हुए पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश मे छूट प्रदान कि गई थी।

इसको कुछ दिन तक पालन करने के बाद इस आदेश को अनदेखी कर पुन: सुबह 6:00 बजे से रात 8:00 तक लगातार भारी वाहन की आना जाना शुरू हो गए। इस संबंध में इस आदेश को पालन करने के पत्रकार एवं आरटीआई एक्टिविस्ट उमेश पासवान ने जिला कलेक्टर दुर्ग एवं पुलिस अधीक्षक दुर्ग को आवेदन देकर प्रतिबंध लगाने की निवेदन किया था।

उसके बावजूद भी जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने इस आदेश की ऊपर कोई ध्यान नहीं दिए इसके बावजूद श्री पासवान ने इस संबंध में बिलासपुर हाईकोर्ट की दरवाजा खटखटाया जिस पर बिलासपुर हाईकोर्ट ने दुर्ग जिला कलेक्टर, दुर्ग पुलिस अधीक्षक, दुर्ग यातायात एवं छत्तीसगढ़ शासन व एसीसी सीमेंट प्रबंधन से जवाब मंगा जिसमें अनुविभागीय अधिकारी छावनी भिलाई एवं थाना प्रभारी छावनी ने माननीय हाई कोर्ट बिलासपुर को जो जानकारी दी है जो इस प्रकार है 4/02/2025 नंदिनी रोड पावर हाउस से छावनी चौक तक भिलाई मार्ग में भारी वाहनों के आवागमन एवं माल के लोडिंग अनलोडिंग हेतु प्रबंध समय प्राप्त 6:00 से रात्रि 9:00 बजे तक निर्धारित किया गया है जबकि जबकि माननीय न्यायालय में नंदिनी नगर से गुप्ता पलिया तक सुबह सुबह6:00 बजे से रात्रि 9:00 तक भारी वाहन पर प्रतिबंध लगाने के लिए याचिका लगाई गई थी। इस जानकारी देकर माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर को गलत जानकारी देकर गुमराह किया गया है।

डॉ.भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य पर भव्य शोभा यात्रा का हुआ आयोजन

महासमुंद(समय दर्शन)। महासमुंद जिला में बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी के 134 वां जन्म जयंती के उपलक्ष्य पर भव्य जिला स्तरीय शोभा यात्रा का सफल आयोजन भीम भीम आर्मी भारत एकता मिशन महासमुंद के बैनर तले एवं भीम आर्मी प्रदेशाध्यक्ष की उपस्थिति में दिनांक 19.04.2025 दिन शनिवार को बड़ी धूमधाम एवं उत्साह से निकाला गया।

यह रैली बौद्ध विहार महासमुंद से बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति पर माल्या अर्पण कर,श्रीफल तोड़कर,संविधान का वाचन कर,जय भीम,जय संविधान,नमो बुद्धाय,जय मंडल के नारों के साथ बौद्ध बिहार महासमुंद से शोभा यात्रा ष्ठछ बाजे,अखाड़ा पंथी नृत्य के साथ प्रारंभ हो कर पूरा नगर भ्रमण करते हुए बरौंडा बाजार चौक तक निकाला गया एवं वापसी अम्बेडकर चौक होते हुए शोभा यात्रा का समापन ढिढी नगर सतनाम भवन में किया गया। इस शोभा यात्रा में नगर भ्रमण के दौरान बिच-बीच में संविधान,अपने मूल-भूत अधिकारों एवं शिक्षा के बारे में बताया गया। इस शोभा यात्रा में भीम आर्मी भारत एकता मिशन के सदस्य एवं सतनामी समाज के बहुत अधिक संख्या में लोग उपस्थित थे जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भीम आर्मी छत्तीसगढ़ प्रदेशाध्यक्ष माननीय राजकुमार जांगड़े थे।

इस आयोजन पर मुख्य अतिथि राजकुमार जांगड़े ने सभी नगर वासियों को बाबा साहेब की जन्म जयंती पर बधाई देते हुए संविधान के बारे में व्यापक रूप से बताया गया । कार्यक्रम के अंत में आकाश डोंगरे जिला प्रभारी भीम आर्मी ने शोभायात्रा का सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में भीम आर्मी के पदाधिकारी आकाश डोंगरे जिला प्रभारी, सुशील बघेल जिलाध्यक्ष, सोनी लाल जांगड़े मनीष ढीढी जिला उपाध्यक्ष, भागवत कोसले जिला कोषाध्यक्ष, डोमार सिंह बंजारे, द्वारिका कुर्रे,अक्षय,भीखम मन्नाडे, अखाड़ा ग्रुप,शुभम मन्नाडे, गौतम जांगड़े,रवि शंकर बघेल, तोषण टंडन,कृष्णा कठेल, भूपेंद टंडन,ईश्वर बंजारे, हीरालाल निराला,राहुल ओगरे, कन्हैया जोशी,सभी पदाधिकारी एवं समस्त सामाजिक कार्यकर्ता बाबा साहब के मानने वाले उपस्थित थे।

ग्रीष्मावकाश में समर क्लास अथवा किसी भी विभागीय गतिविधियों का किया जाएगा जबरदस्त विरोध एवं बहिष्कार

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अभी ग्रीष्मावकाश शुरू हुआ भी नहीं और विभाग की नजरे शिक्षकों के प्रति टेढ़ी हो गई। इस वर्ष समर क्लास के नाम पर रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आदेश भी जारी कर दिया गया है। टाइम टेबल भी जारी हो गई।

इस मुद्दे को लेकर छत्तीसगढ़ जागरूक शिक्षक संघ ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संगठन ने कहा है कि ग्रीष्म अवकाश में समर कैंप या किसी भी प्रकार की विभागीय गतिविधि चलाकर शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों एवं स्कूली बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किया जाना, उन्हें बेतहाशा गर्मी में परेशान अथवा प्रताड़ित करना, ये सब चीजें संगठन कतई बर्दास्त नहीं करेगा।

संघ के प्रदेशाध्यक्ष जाकेश साहू, प्रदेश सचिव राजेंद्र लाडेकर, प्रदेश उपाध्यक्ष बीरेंद्र साहू, शिव कुमार साहू, तुलसीराम पटेल, नरेंद्र तिवारी, भोजराम साहू, कमलेश कुमार भारती आदि ने कहा कि स्कूली बच्चे गर्मी के दिनों में अपने मामा-मामी, नाना-नानी, चाचा-चाची, मौसी-मौसी सहित अन्य रिश्तेदारों के यहां जाते हैं। घूमते-फिरते हैं, जिससे उनका मानसिक विकास होता है। वे सालभर के पढ़ाई की व्यस्तता से रिफ्रेश होते है, उन्हें परिवार और रिश्तेदारों की जानकारी होती है। वर्षभर जुलाई से अप्रैल माह तक सारी स्कूली गतिविधियां संपन्न होती हैं। सारे प्रकार के शिक्षण कार्य जैसे शारीरिक, मानसिक, खेलकूद आदि सालभर सम्पन्न होते है। गर्मी के इस तपती धूप में बच्चों को राहत देने के लिए राज्य सरकार द्वारा ग्रीष्म अवकाश दिया जाता है, जो सदियों की परंपरा है। ग्रीष्म अवकाश में इतनी धूप रहती है कि सुबह से ही बेतहाशा गर्मी तन जाती है। स्कूल भवनों में काफी गर्मी रहती है अधिकांश स्कूल ऐसे हैं, जहां पर्याप्त पंखे-कूलर आदि नहीं है। ऐसे में ग्रीष्म अवकाश लगाना संभव ही नहीं है। दूसरी ओर अधिकांश शिक्षक ऐसे हैं जो वर्षों से घर परिवार से दूर-दराज में पदस्थ हैं। ऐसे शिक्षक भाई एवं शिक्षिका बहनों को सालभर से गर्मी छुट्टी का इंतजार रहता है। ग्रीष्म अवकाश लगते ही सभी शिक्षक व कर्मचारी अपने घर परिवार आदि में समय देते हैं। शादी-विवाह एवं रिश्तेदारों में समय देते हैं, लेकिन इस प्रकार का बेतुका आदेश शासन प्रशासन का शिक्षकों के प्रति दुर्भावना को दर्शाता है।

अन्य विभागों में ग्रीष्म अवकाश नहीं रहता जिसके बदले सालाना उन्हें अर्जित अथवा अलग से अवकाश दो से तीन माह का रहता है, परंतु जैसे ही शिक्षकों को ग्रीष्म अवकाश मिलता है, तब विभाग के अफसरों की नजरे शिक्षकों पर तिरछी हो जाती है।

मुयमंत्री निवास घेराव का ऐतिहासिक होगा प्रदर्शन : शाहिद भाई

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के आह्वान पर छत्तीसगढ़ में बदहाल कानून व्यवस्था के चलते महिलाओं और बालिकाओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में 21 अप्रैल-2025 को मुख्यमंत्री निवास घेराव का आयोजन किया गया है।

आयोजन के संबंध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री शाहिद भाई ने अपने प्रभार क्षेत्र में आयोजन को सफल बनाने की तैयारी के संबंध प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज से मिलकर प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदु को तैयारी की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रूपेश दुबे, दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन उपस्थित थे।

साहू समाज मेहनत और ईमानदारी की मिसाल है- उप मुयमंत्री साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव में की शिरकत, सामूहिक आदर्श विवाह में 24 नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

सामाजिक भवन के लिए की 20 लाख रुपए की घोषणा

दुर्ग(समय दर्शन)। पाटन तहसील में आयोजित कर्मा जयंती महोत्सव एवं सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने 24 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखमय जीवन की कामना की। समाज के पदाधिकारियों की मांग पर उप मुख्यमंत्री ने तहसील साहू समाज पाटन में भवन निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की घोषणा कर समाज को बड़ी सौगात दी।

समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि पाटन तहसील में साहू समाज द्वारा लगातार 22 वर्षों से सामूहिक आदर्श विवाह का आयोजन किया जा रहा है। यह परंपरा समाज में एकता, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जिन जोड़ों का विवाह सामूहिक रूप से होता है, उनका दांपत्य जीवन अधिक सफल और सुखद रहता है, क्योंकि इसमें पूरे समाज का आशीर्वाद और समर्थन शामिल होता है। उन्होंने साहू समाज की मेहनत और ईमानदारी की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने मूल्यों से नहीं डगमगाता। साहू समाज की ईमानदारी और मेहनत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि साहू समाज का व्यक्ति चाहे धूप में तप जाए, लेकिन गलत मार्ग नहीं अपनाता।

उप मुख्यमंत्री ने गर्व के साथ कहा कि साहू समाज का ही एक बेटा आज तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा कर रहा है, और यह सब उसकी ईमानदारी और मेहनत का ही परिणाम है। पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने गांव, गरीब, किसान और आम जनता के जीवन को बेहतर बनाने का कार्य किया है। उन्होंने आगे कहा कि साहू समाज केवल अपने विकास की बात नहीं करता, बल्कि यह समाज हर वर्ग और समाज को साथ लेकर चलने वाला है। इस समाज की मूल विशेषता ईमानदारी, मेहनत और एकता को बनाए रखते हुए सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री साव मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, परियोजना पाटन जिला दुर्ग के अंतर्गत प्रत्येक जोड़े को 35 हजार रूपए का चेक प्रदान किया गया। साथ ही पदाधिकारियों को मोमेटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल, सांसद दुर्ग श्री विजय बघेल, जिला साहू संघ अध्यक्ष श्री नंदलाल साहू, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू, कार्यकारणीय प्रदेश साहू संघ अध्यक्ष श्री खिलावन साहू, जिला पंचायत सभापति श्रीमती कल्पना साहू, नगर पालिका अमलेश्वर अध्यक्ष श्री दयानंद सोनकर सहित बड़ी संख्या में समाजजन, स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

|| न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मैनपुर जिला गरियाबंद (छ.ग.)||

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-2025
ग्राम मैनपुरखुर्द, तहसील-मैनपुर, जिला गरियाबंद (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सरोज सेन पति श्री त्रिलोक कुमार सेन, जाति नाई. निवासी मैनपुरखुर्द, प.ह.नं. 05, तहसील मैनपुर, जिला गरियाबंद (छ.ग.) के द्वारा ग्राम मैनपुरखुर्द, प.ह.नं. 05, तहसील मैनपुर, जिला गरियाबंद (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 401/5 रकबा 0.06 हे भूमि को छ.ग. भू-राजस्व संहिता की धारा 1959 की धारा 172 के तहत् आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन निर्धारण कराने बाबत नक्शा, खसरा, बी-1 एवं अन्य दस्तावेजों सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो वे स्वयं या विधिक अधिकारिता रखने वाले अपने अभिभाषक (अधिवक्ता) के माध्यम से ईश्तहार प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिवस के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति कर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय के पद मुद्रा सहित जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मैनपुर

मुहर

|| न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मैनपुर जिला गरियाबंद (छ.ग.)||

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-2025
ग्राम मैनपुरकला, तहसील मैनपुर, जिला गरियाबंद (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री त्रिलोक कुमार सेन पिता श्री भुरूवाराम सेन,, जाति नाई निवासी मैनपुरखुर्द, प.ह.नं. 05, तहसील मैनपुर, जिला गरियाबंद (छ.ग.) के द्वारा ग्राम मैनपुरकला, प.ह.नं. 04. तहसील मैनपुर, जिला गरियाबंद (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 66/3 रकबा 0.08 हे. भूमि को छ.ग. भू-राजस्व संहिता की धारा 1959 की धारा 172 के तहत् व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन निर्धारण कराने बाबत नक्शा, खसरा, बी-1 एवं अन्य दस्तावेजों सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो वे स्वयं या विधिक अधिकारिता रखने वाले अपने अभिभाषक (अधिवक्ता) के माध्यम से ईश्तहार प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिवस के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति कर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय के पद मुद्रा सहित जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मैनपुर

मुहर

संक्षिप्त-खबर

जन जागरूक के तहत शपथ लिया गया एवं कार्यक्रम पश्चात क्षेत्र में रैली निकालकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग शहरी परियोजना अंतर्गत परिक्षेत्र को परियोजना दुर्ग शहरी अंतर्गत सेक्टर उरला में जन जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया कार्यक्रम में वार्ड 57के पार्षद सरस कुमार निर्मलकर जी एवं वार्ड 58 की पार्षद श्रीमती रेशमा सोनकर जी आईसीपीएस एवं चाइल्ड लाइन से आशीष कुमार साहू जी जय पटेल जी एवं सीता कन्नौजे मैडम उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज सेवी जयवर्धन एवं विनीत चौरे की उपस्थिति भी रही महिला बाल विकास से पर्यवेक्षक सीपी चंद्राकर एवं हुमेश्वरी चौरेआंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं उपस्थित रहे वार्ड 57 के पार्षद श्री सरस कुमार निर्मलकर द्वारा नशा मुक्ति एवं बालिका शिक्षा पर उद्बोधन दिया गया श्रीमती रेशमा सोनकर द्वारा बालिका शिक्षा एवं बालिका सुरक्षा पर उद्बोधन दिया गया आईसीपीएस एवं चाइल्डलाइन द्वारा बाल विवाह की रोकथाम बालिका शिक्षा पोक्सो एक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई कार्यक्रम में शपथ लिया गया एवं कार्यक्रम पश्चात क्षेत्र में रैली निकालकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया।

जिला के नए पुलिस अधीक्षक बने वाईके पटेल

बालोद (समय दर्शन)। राज्य सरकार द्वारा रविवार को किए गए प्रशासनिक अधिकारियों के फेरबदल से अब जिला के नए पुलिस अधीक्षक वाई के पटेल होंगे। जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़ कैडर के 2018 बैच के आईपीएस योगेश पटेल छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के रहने वाले हैं। उनका गांव पिथौरा ब्लॉक मुख्यालय से 3 किलोमीटर दूर ग्राम राजा सवैया उनका गृहग्राम हैं। योगेश पटेल ने 17 दिसंबर 2018 को आईपीएस की सर्विस ज्वाइन की। सरदार वल्लभभाई पटेल प्रशिक्षण अकादमी हैदराबाद से ट्रेनिंग खत्म करने के बाद फील्ड ट्रेनिंग के लिए उनकी राजनांदगांव जिले में प्रशिक्षु आईपीएस के तौर पर पोस्टिंग हुई। वे राजनांदगांव में बसंतपुर थाना प्रभारी रहें। इसके बाद रायगढ़ जिले में रायगढ़ सीएसपी रहें। फिर दंतेवाड़ा जिले के एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन बनें। एसपी के रूप में उनकी पहली पदस्थापना गौरेलाङ्केपेंड्राङ्कमरवाही जिले में हुई। कमांडेंट चौथीं वाहिनी भी वे रहें। वर्तमान में योगेश पटेल जून 2024 से अंबिकापुर जिले के एसपी रहें अब वें बालोद जिले की कमान संभालेंगे।

भांजी के गमी में पहुंचे मामा की तालाब में डूबने से मौत

बालोद-रायपुर (समय दर्शन)। भांजी की मौत के बाद शोक में शामिल होने पहुंचे मामा की भी तालाब में डूबने से मौत हो गई. ये पूरी घटना बालोद की है. जहां अब मामा भांजी की मौत का मातम पसरा है. बता दें, 16 अप्रैल को भांजी यानी योगिता साहू (12वर्ष) की मौत हो गई थी. वह अपने घर की बाड़ी के कुएं से पानी निकाल रही थी. इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वो कुएं में गिर गई. आस-पास के लोगों ने मासूम को बचाने की कोशिश की लेकिन तब तक देर हो चुकी थी. इसके बाद भांजी के घर शोक मनाने के लिए पहुंचे मामा की भी मौत हो गई जानकारी के अनुसार, मामा तोमेश्वर साहू (30 वर्ष), ग्राम-कठिया के रहने वाले थे. परिजनों के मुताबिक वह अपनी भांजी की मौत के बाद 13 दिन तक चलने वाले शोक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुंडरदेही के खल्लारी गांव पहुंचे थे. इसी दौरान रविवार सुबह जब वे नहावन के लिए तालाब में उतरे, तो वहां डूबने से उनकी मौत हो गई. फ्लिहाल गुंडरदेही पुलिस ने मर्ग कायम कर युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है.

ब्रह्माकुमारीज की दिवंगत मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी को भावभीनी दी श्रद्धांजलि

रायपुर (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की दिवंगत मुख्य प्रशासिका दादी रतनमाहिनी की पुण्य स्मृति में शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी ने 101 वर्ष की आयु में दिवंगत मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने दादी जी के व्यक्तित्व का उल्लेख करते हुए बतलाया कि दादी रतनमोहिनी जी दैवी गुणों की थीं। उनमें नेतृत्व कला और प्रशासकीय कौशल भी था। बचपन से अध्यात्म के प्रति लगन और परमात्मा को पाने की चाह के कारण दादी रतनमोहिनी जी महज तेरह वर्ष की अल्पायु में ही ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़ गई थीं। वर्ष 1937 में ब्रह्माकुमारीज की स्थापना से लेकर अब तक उन्होंने 87 वर्षों का लम्बा समय इस संस्थान को दिया। वर्ष 1985 में उनके मार्गदर्शन में भारत के कोने-कोने से निकाली गई तीस हजार किलोमीटर की युवा पदयात्रा को सबसे लम्बी पदायात्रा के रूप में लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया गया था।

एक मई से 1000 पैनल चार्ज एवं 15 प्रतिशत पेनाल्टी जुर्माना लगेगा

पेनाल्टी से बचे,अब न करें देरी,2024-25 का जल्द करें भुगतान

अंतिम 10 शेष,सही समय पर टैक्स भरें और परेशानी से बचें

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम/आयुक्त सुमीत अग्रवाल ने शहर क्षेत्र के करदाताओं से अपील कर कहा कि 2024-25 का संपत्ति कर करदाता ऑनलाइन या टैक्स काउंटर निगम कार्यालय में जाकर टैक्स जमा कर सकते हैं। कहा कि जुर्माना से बचे, जल्द करें भुगतान,अंतिम 10 शेष है,01 मई से 1000 पैनल चार्ज एवं 15ब पेनाल्टी जुर्माना लगेगा।उन्होंने कहा कि अवकाश पर भी खुले रहेंगे टैक्स काउंटर अगर आप दुर्ग में संपत्ति के मालिक हैं और आपने अब तक अपना संपत्ति कर नहीं भरा है, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है.समय पर टैक्स जमा करें पेनाल्टी से बचें।

नगर निगम के संपत्ति कर विभाग ने बकायेदारों से वसूली के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं.बड़े बकायेदारों की बनाई सूची, हो सकती है सख्त कार्रवाई

राजस्व अधिकारी राजकमल बोरकर एवं सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर बताया कि कर न भरने वाले सभी बकायेदारों को चिह्नित किया जा चुका है और उन्हें टेलीफोन एवं सहायक राजस्व निरीक्षकों के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। समय पर बड़े संपत्ति कर का भुगतान नहीं करते, तो नगर निगम नियमानुसार सख्त कार्रवाई करेगा. इसमें जुर्माने की राशि के साथ ब्याज, निगम की ओर से नोटिस और संपत्ति जब्ती की कार्रवाई के अलावा कानूनी कार्रवाई की संभावना भी शामिल हैं.

छुट्टी के दिन भी खुले रहेंगे टैक्स काउंटर ऑफिस खुला रहेगा

नगर निगम ने करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अवकाश के दिनों में भी निगम कार्यालय खुले रखे जायेंगे. आप सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे कार्यालय में जाकर टैक्स जमा कर सकते हैं.

धमतरी पुलिस यातायात द्वारा ई-रिक्शा चालको को दिया गया यातायात नियमों की जानकारी

बिना लायसेंस के वाहन नही चलाने दी गई समझाईश एवं खतरनाक सड़क खण्ड कुरूद बायपास पर इंटर सेप्टर वाहन से 16 वाहन चालको पर की गई कार्यवाही

धमतरी(समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक धमतरी आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशानुसार, उप पुलिस अधीक्षक यातायात सुश्री मोनिका मरावी के मार्गदर्शन में सउनि भेनूराम वर्मा के द्वारा पुराना मंडी में पहुंच कर ई-रिक्शा चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए बतायें कि वाहन में तदात से अधिक सवारी ना बैठयें, सवारी को मार्ग में कही भी ना उतारे और ना चढ़ाये उपयुक्त स्थान देकर उतारने व चढाने बताया गया, बिना लायसेंस के वाहन नही चलाने, वाहन का दस्तावेज साथ रखने, सदर मार्ग पर अनावश्यक वाहन खड़े ना करने, सदर मार्ग पर चलने के दौरान वाहनों को ओवर टेक नही करने, अपने लेन में वाहन चलाने, निर्धारित दर से अधिक किराया नही लेने, यातायात शाखा में पहुंच कर अपना वाहन का दस्तावेज जमा कर सत्यापन कराकर नम्बर लेने बताकर यातायात नियमों की जानकारी देकर यातायात नियमों का पालन करने समझाईश दिया गया।

इसी क्रम में सड़क सुरक्षा को बढावा देने वाहन चालकों का यातायात नियमों का पालन करने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने आमजनों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाव हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में चिन्हित खतरनाक सड़क खण्ड कुरूद बायपास के पास इंटर सेप्टर वाहन के माध्यम से सउनि. रामकृष्ण साहू,आर. तरूण साहू जीवन साहू एवं हाईवे पेट्रोलिंग 01 के सहयोग से यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले 16 वाहन चालको पर कार्यवाही की गई। साथ ही वाहन चालको आमजनों को यातायात नियमों की जानकारी देकर बताया गया की रॉग साईड ओवर स्पीड से वाहन ना चलायें, अचानक व बिना संकेत लाईट दिये वाहन ना मोडे व रोड क्रास ना करें, वाहन चलाने के दौरान हेलमेट, सीट बेल्ट का उपयोग अवश्य करे बताकर यातायात जागरूकता पम्पलेट का वितरण किया गया। यातायात पुलिस सभी आमजन से अपील करती है, की यातायात नियमों का पालन कर, अपना एवं दूसरों का अमूल्य जीवन बचायें।

एकलव्य सेवा संस्था केंदुढार द्वारा सामाजिक सहयोग का अनुपम उदाहरण - दसकर्म कार्यक्रम में सहयोग

सरायपाली (समय दर्शन)। सरायपाली विकास खंड के अन्तर्गत आने वाले ग्राम पंचायत केंदुढार में एकलव्य सेवा संस्था ने सामाजिक सहयोग प्रस्तुत करते हुए,मृतक ओमप्रकाश दास निवासी केंदुढार जिसकी मृत्यु 08.04.2025 को हो गया था एवं दशकर्म कार्यक्रम 17.04.2025 को अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और मृतक के परिवार वालों को सहयोग के रूप में समिति द्वारा 50 किलो चावल और 1001 रुपए प्रदान किया गया है।

यह सहयोग संस्था के समाजिक उत्तरदायित्व को दर्शाता है जो समय-समय पर गांव में इस प्रकार के पुनीत कार्य करती रही है। इस अवसर पर एकलव्य सेवा संस्था के प्रमुख सदस्यों में दादुलाल वैष्णव,डिग्रीलाल साखरे,भोलानंद साखरे,फ्लिेश सिदार,खिलेश वैष्णव,राजीव साहू,दीपक वैष्णव,फागुलाल डड़सेना,संतोष चौहान,दिलीप डिंगरें आदि उपस्थित थे।। एकलव्य सेवा संस्था का यह कदम न केवल प्रेरणादायक है बल्कि ग्रामीण समाज को आपसी सहयोग और सद्भाव के सूत्र में बांधने का कार्य कर रहा है। संस्था के इस योगदान को ग्रामवासियों द्वारा सराहा गया और सभी ने एक स्वर में संस्था की सतत सेवा भावना की प्रशंसा की।

एकलव्य सेवा संस्था इस प्रकार के सामाजिक कार्यों के माध्यम से ग्रामीण जीवन को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इनकी संस्था द्वारा पिछले 10 वर्षो से लगातार रक्तदान का कार्य कर रही है और जरूरत मंदो को रक्त की व्यस्था कराके रक्तदान का महान कार्य करते आ रहे है।

लग्जरी कार में अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करते 2 अन्तर्राज्जीय तस्कर पुलिस की गिरत में

बसना पुलिस थाना एवं एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा पर बडी कार्यवाही

बसना (समय दर्शन)। बसना पुलिस थाना एवं एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की संयुक्त कार्यवाही मे आरोपीयों के कब्जे से 40.4 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती 8,00,000 रूपये एवं एक वाहन कीमती 400000 रूपये एवं 01 नग मोबाईल कीमती 5000 रूपये तथा नगदी रकम 1000 रूपये कुल कीमती 12,06,000 रूपये (बारह लाख छः हजार रूपये) की गांजा जप्त किया गया।

एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी तथा इण्ड टू इण्ड एवं फाइनेंशियल इनवेस्टिगेशन ,सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी कार्यवाही, स्त्रोत के बारे मे विस्तृत जानकारी लेकर उनके विरूद्ध विधिसंगत विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। कि थाना बसना क्षेत्र में दिनांक 18.04.2025 को मुखबीर से सूचना मिली कि ओड़िशा से अवैध मादक पदार्थ गांजा का बडा खेप कार में ओडिशा से महासमुन्द के रास्ते राजस्थान ले जाने वाला है। जिस पर बसना थाना प्रभारी नरेन्द्र राठौर द्वारा बसना पुलिस थाना की टीम के द्वारा महासमुंद जिले में प्रवेश करने वाले समस्त पाईंटों पर बल तैनात कर संदिग्ध वाहन की जांच कर रही थी, तभी बसना की तरफ से एक सफेद कलर के टाटा टियागो वाहन कार क्रमांक सी जी 15 डी एच 4324 महासमुन्द की ओर आ रही थी। जो पलसापली नाके में एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम के द्वारा एवं बसना पुलिस टीम के द्वारा घेराबंदी कर वाहन को रोका गया।

वाहन में 02 व्यक्ति बैठे थे जिससे नाम पता पुछने पर व्यक्तियों ने अपना नाम (01) रामकिशन बिश्नोई पिता हेतराम बिश्नोई उम्र साल 21 साल निवासी पडियाल थाना भोजासर जिला फलौदी राजस्थान (02) मनीष देवाशी पिता हरीराम देवाशी उम्र 19 साल निवासी मोटाई थाना चाखू जिला फलौदी राजस्थान का निवासी होना बताये। एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम के द्वारा वाहन की तलाशी ली गई। वाहन के पीछे सीट व डिक्की में प्लास्टिक बोरिया भरा हुआ था। जिसे खोलकर देखने पर अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला। जिसे तौल करने पर 40.4 किलो ग्राम मादक पदार्थ गांजा मिला।

वाहन पर अवैध गांजा परिवहन करते पाये जाने पर मौके पर आरोपीयों को गिरफ्तार कर 40.4 किलो ग्राम गांजा कीमती 8,00,000 रूपये एवं टाटा टियागो वाहन कीमती 400000 रूपये व 01 नग मोबाईल कीमती 5000 रूपये एवं नगदी रकम 1000 रूपये कुल जुमला कीमती 12,06,000 रूपये जप्त किया गया। आरोपी से गांजा के संबंध में पूछताछ करने पर उड़िसा से लाना और राजस्थान में बिक्री करने ले जाना बताये। भारी मात्रा में गांजा परिवहन किये जाने पर आरोपीयों के विरूद्ध थाना बसना में अपराध धारा 20(ख) एनडीपीएस के तहत् कार्यवाही कर न्यायिक रिमार्ड पर भेजा गया।

किसान क्रेडिट कार्ड शिविर में पहुंचे कलेक्टर

गर्मियों में पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था करने कहा

धमतरी(समय दर्शन)। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा कुरूद के ग्राम कचना में पशु चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित किसान क्रेडिट कार्ड शिविर सह कृत्रिम गर्भाधान से उत्पादित वत्स की प्रदर्शनी में शामिल हुए। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रोमा श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी और राउत, चरवाहा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री मिश्रा ने पशुपालको को केसीसी का लाभ लेने प्रेरित किया। इसके साथ ही गर्मियों को देखते हुए पशुओं के पीने के लिए पानी की व्यवस्था करने की भी अपील की।

इसके साथ ही क्षेत्र में शिक्षा की स्थिति, बैंक की उपलब्धता सहित मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। ग्रामीणों द्वारा बैंक की मांग भी की गई। कलेक्टर ने स्व सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न प्रशिक्षणों में हिस्सा लेने और रोज़गार मूलक कार्यक्रम से जुडने भी कहा। ग्रामीणों द्वारा अवैध शराब की जानकारी देने पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने अवैध शराब के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कार्यक्रम में राउत एवं चरवाहों को सहयोग के लिए श्रीफल व गमछा भेंट कर सम्मानित भी किया।

पिथौरा क्षेत्र मे अँधेरा कब तक कायम रहेगा

डीएमएफ मद से हुए काम में भारी भ्रष्टाचार

सैकड़ों स्ट्रीट लाइट्स बंद,हवा तूफान से खंभे हो रहे धराशायी, करोड़ों खर्च के बाद भी अंधेरे में डूबा गांव

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा नगर से लगे ग्राम पंचायत लहरौद और लाखागढ़ में करोड़ों की लागत से लगाए गए स्ट्रीट लाइटें और खंभे अब शो-पीस बनकर रह गए हैं। अंधेरे से निजात दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा दिए गए, नतीजा जीरो है। आपको बता दें कि, करोड़ रुपये की लागत से लगाए गए 108 स्ट्रीट लाइट्स में से अब तक एक भी चालू नहीं हुआ है। वहीं कई खंभे अब तक गिर चुके हैं।

इस परियोजना को डीएमएफमद से तत्कालीन कलेक्टर प्रभात मलिक की पहल पर लोक निर्माण विभाग, विद्युत एवं यांत्रिकी शाखा के माध्यम से कराया गया था। लेकिन काम की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मनमाने ढंग से अपने चहेते ठेकेदारों को काम सौंपकर इस योजना में भारी भ्रष्टाचार किया गया है।

डर के साए में सफर कर रहे राहगीर

यह मार्ग पिथौरा शहर से अंजली स्कूल होते हुए लाखागढ़ गांव से राष्ट्रीय राजमार्ग 53 बाईपास तक को जोड़ता है। जहां रोजाना हजारों की संख्या में महिलाएं व पुरुष आना-जाना करते हैं। शाम होने के बाद रात के अंधेरे में यह आम मार्ग खतरनाक बन जाता है। लोगों को परेशानी दिन ब दिन बढती जा रही है बावजूद इसके, जिम्मेदार अधिकारी के साथ इस ज्वलंत समस्या का समाधान के बजाय पूरा सिस्टम कुंभकर्णी निद्रा मे सोया हुआ है। जब तक किसी बड़ी अप्रिय घटना न घटे विभाग जागेगा नही।

रात में लोगों को हो रही है परेशानी : सरपंच प्रियरंजन कोसरिया

प्रियरंजन कोसरिया, सरपंच ग्राम पंचायत लाखागढ़ ने बताया, खंभे लगे एक साल हो गए हैं, अब तो वे उखड़ने भी लगे हैं। न जाने कब इनमें रोशनी आएगी की नहीं। स्ट्रीट लाइटें नहीं होने से संध्या होते ही अंधेरा पसर जाता है। रात में लोगों को काफी दिक्कत हो रही है।

लोगों की मानें तो इन लाइटों को लगे एक साल बीत चुके हैं, पर अब तक ट्रांसफार्मर तक नहीं लगाया गया। बिजली खंभों की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि, कुछ तो पहले ही गिर चुके हैं। इससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

सबसे रोचक बात यह है कि या खम्भे कभी भी किसी के ऊपर गिर सकता है लेकिन इससे स्थानीय प्रशासन को कोई लेना-देना नहीं है। अगर ऐसा ही रहा तो कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस कार्य की उच्च स्तरीय जांच हो, ताकि भ्रष्टाचार की परतें खुल सकें।

बिजली विभाग ट्रांसफार्मर लगाने में देरी की, जल्द लाइटें जलेंगी : एसडीओ

इस मामले में राकेश यादव, एसडीओ, लोक निर्माण विभाग (विद्युत एवं यांत्रिकी) ने कहा, बिजली के खंभे और लाइटें हमारे विभाग ने ही लगाई है। कितने का काम हुआ है, यह पूछकर बता सकता हूं। सात-आठ महीने हो गए हैं, लेकिन ट्रांसफार्मर नहीं लग सका है। बिजली विभाग से देरी हुई है, जल्द ही लाइटें जलेंगी।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2021-23